RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सभी श्रमिक बंधुओं, प्रिय पाठकों, विज्ञापनदाताओं और हॉकरों को हार्दिक शुभकामनाएं सह बधाई! इस अवसर पर एक मई (शुक्रवार) को अखबार कार्यालय में अवकाश की वजह से सुधि पाठक का अगला अंक तीन मई 2026 (रविवार) से पढ़ पाएंगे।
सादर धन्यवाद!

पटना, वर्षः 7 , अंकः78 , शुक्रवार, 01 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हरसिद्धि प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित, 18 सदस्यों ने किया समर्थन 03

विधान परिषद उपचुनाव : एनडीए का शक्ति प्रदर्शन,सूर्य कुमार शर्मा ने भरा नामांकन 04

परिणीति चोपड़ा का पुराना वीडियो खूब हो रहा वायरल 07

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- न्यूक्लियर हमले से नहीं डरे
- भारत आईटी का हब जबकि पाकिस्तान इंटरनेशनल टेररिज्म का

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की सर्ज कैपेसिटी (अचानक ताकत बढ़ाने की क्षमता) पहले से ज्यादा मजबूत है। राजनाथ ने कहा- भारत आज इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के लिए जाना जाता है जबकि पाकिस्तान को आईटी यानी इंटरनेशनल टेररिज्म का केंद्र माना जाता है। राजनाथ बोले- आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा : सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक टर्निंग पॉइंट था, जिसने दुनिया को दिखाया कि भारत अब सिर्फ बयान देने वाला देश नहीं है, बल्कि सीधे कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार की नीति साफ है। देश में किसी भी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सख्त और सीधी कार्रवाई की जाएगी। आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा और राजनीतिक समर्थन में होती है। इसे खत्म किए बिना आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता। मंत्री ने कहा ऑपरेशन सिंदूर में 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए।

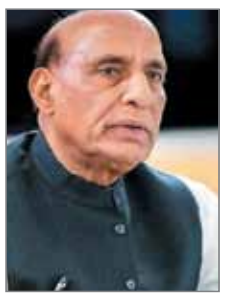

वीआईपी कल्चर छोड़ जनता से संवाद करें कांग्रेस नेता

- राहुल गांधी ने दी सलाह,संगठन मजबूत बनाने के टिप्स भी दिए
- पंजाब,जेके और हिमाचल कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को दी ट्रेनिंग

कांगड़ा (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर के 80 कांग्रेस अध्यक्षों को ट्रेनिंग दी। राहुल गांधी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वीआईपी कल्चर छोड़कर आम जनता से सीधे संवाद करना होगा। राहुल गांधी ने जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की सलाह दी। उन्होंने

कहा कि विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब मीडिया के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाए। राहुल ने अपने साढ़े चार घंटे के ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स दिए। **राहुल ने जिला अध्यक्षों के साथ किया लंच** – राहुल गांधी ने दोपहर डेढ़ बजे के करीब कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के साथ लंच किया और दोपहर सवा दो बजे वह कांगड़ा से वापस दिल्ली लौट गए।

यूपी और बिहार में

आंधी-बारिश का 'आतंक'

- 18 लोगों की मौत, बांदा में पारा 45 डिग्री के पार

राजस्थान-दिल्ली में आधे दिन लू,आधे दिन बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46 डिग्री के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक घट भी गया। दिल्ली में दोपहर बाद ओले गिरे। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे। यूपी का बांदा लगातार तीसरे दिन 45.8 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा।

मिजोरम के कई जिलों में स्कूल बंद रहे

पटना मौसम विज्ञान केंद्र से जारी ताजा अपडेट के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है, इसके बाद अगले 48 घंटों में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का पूर्वानुमान है। वहीं अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों में भी बारिश हुई। मिजोरम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल दूसरे दिन भी बंद रहे। खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम, फाटा, सोनप्रयाग, सर्सी और गुप्तकाशी में हेलीकॉप्टर सेवाएं रोक दी गई हैं।

पीपा पुल टूटा, शादी के टेंट आंधी से उखड़े

मौसम विभाग ने पहले ही बता दिया था कि आने वाले दिन बिहार पर भारी पड़ सकते हैं। बुधवार की शाम से ऐसा होना शुरू भी हो गया। राजधानी पटना में अचानक से तेज आंधी आई। बिहार के लगभग ज्यादातर जिलों में ऐसा ही माहौल बना। इसके बाद कई जिलों में आसमानी बिजली ने भी कहर बरपा दिया। आंधी और बारिश इतनी तेज थी कि एक पीपा पुल 3 भागों में टूट गया। बिहार में मौसम के बदले मिजाज ने बुधवार को जमकर कहर बरपाया। लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत तो मिली लेकिन इसकी कीमत बिहार को चुकानी पड़ी। कई जिलों में इतनी तेज आंधी चली कि शादियों के लिए लगाए गए टेंट ही उखड़ गए। एकाध जगहों पर बिजली का खंबा ही आ गिरा। हाल ये था कि बिहार के 20 जिलों में तेज आंधी बारिश ने लोगों को हलाकान कर दिया। शाम के 6 बजे के आसपास से मौसम का जो कहर शुरू हुआ उसने एक से 2 घंटे में ही काफी कुछ बर्बाद कर दिया। कई जिलों में पेड़ जमीन पर धूल चाटते नजर आए।

यूरोप जाते समय रास्ते में यूएई में रुकेंगे पीएम मोदी !

- हाल ही में लौटे हैं विदेश मंत्री जयशंकर और एनएसए डोभाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एक संक्षिप्त यात्रा कर सकते हैं। अपनी आगामी यूरोप यात्रा के दौरान पीएम मोदी बीच रास्ते में कुछ समय के लिए यूएई में रुकेंगे, जहां उनकी यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने की उम्मीद है। वर्तमान में इस यात्रा की रूपरेखा तैयार की जा रही है और अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। प्रधानमंत्री मोदी 15 से 20 मई तक चार यूरोपीय देशों- नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और इटली की अहम यात्रा पर रहेंगे। इस दौरे का मुख्य आकर्षण ओस्लो (नॉर्वे) में होने वाला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन होगा।

यूपी के श्रमिकों को बड़ी राहत देने की तैयारी

- योगी सरकार में बनाई जा रही जबरदस्त योजना

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश सरकार श्रमिकों के लिए बड़ी राहत देने की तैयारी में है। अब तक अस्थायी कैंपों में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं के बजाय श्रमिकों को स्थायी और कैशलेस इलाज से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही उनके रहने के लिए हॉस्टल सुविधा शुरू करने पर भी काम तेज हो गया है। पिछले वित्तीय वर्ष में कारखानों में 2.77 लाख पुरुष और 23,941 महिला श्रमिक पंजीकृत थे। ई-श्रम पोर्टल पर प्रदेश के 8.42 करोड़ असंगठित श्रमिकों का डाटा दर्ज है। इनमें से 7.06 करोड़ से अधिक श्रमिकों को राशन कार्ड उपलब्ध होगा।

यह रेप का मामला है गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए

- 15 साल की नाबालिग की गर्भावस्था पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 वर्षीय रेप पीड़िता की 30 हफ्ते की अनचाही गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने वाले अपने 24 अप्रैल के आदेश को पलटने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनाया। एम्स ने 15 वर्षीय लड़की की 30 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देने

के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ उपचारात्मक याचिका दायर की है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में कहा कि अगर मां को कोई स्थायी विकलांगता नहीं है तो गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। यह रेप का मामला है और पीड़िता को जीवन भर मानसिक आघात झेलना पड़ सकता है। इसलिए अदालत ने इसे बच्ची के सर्वोत्तम हित में बताया। वहीं, एम्स ने अदालत में तर्क दिया कि अगर गर्भपात कराया जाता है तो नाबालिग मां को जीवन भर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिया कि वह माता-पिता की काउंसलिंग करे और यह सुनिश्चित किया जाए कि आखिरी फैसला स्वयं उस बच्ची का हो।

यह भ्रूण बनाम बच्ची का संघर्ष नहीं है

एएसजी ने दलील दी कि यह भ्रूण बनाम बच्ची का संघर्ष नहीं है। यह बच्ची के सर्वोत्तम हित में है। नाबालिग मां को जीवन भर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होंगी। सीजेआई ने कहा कि भले ही आगे चलकर उसका वैवाहिक जीवन जटिल हो जाए तो क्या यह पीड़ा ज्यादा होगी या वह? एएसजी ने इस पर कहा कि इस बच्चे को गोद देने के लिए दिया जा सकता है। अब 30 सप्ताह हो चुके हैं। यह अब एक जीवित और सक्षम जीवन है। सीजेआई ने कहा इस विषय पर देश का पहला फैसला मैंने ही दिया था। अगर सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक न लगाई होती तो वह आज कानून बन चुका होता। उस समय न्यायमूर्ति ऑगस्टीन मसीह मेरे साथ पीठ में थे। बाद में उच्चतम न्यायालय ने अपने ही फैसले को पलट दिया। इस देश में गोद लेने के लिए कई बच्चे हैं। सड़कों पर परित्यक्त और बेसहारा बच्चे हैं। यहां तक कि इस पर माफिया भी सक्रिय हैं।

सीएम बनने के बाद ऐक्शन में सम्राट चौधरी

- सभी डीएम-एसपी से वन-टू-वन चर्चा,10 से 2 बजे वाला दिया अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालने के बाद राज्य की प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी। गुरुवार को सभी जिलों के डीएम और एसपी के साथ हुई उनकी पहली औपचारिक बैठक में विकास और सुरक्षा का ब्लूप्रिंट साझा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करना और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ये बैठक मुख्य रूप से कई अहम मुद्दों पर केंद्रित रही।

निवेशकों को मिलेगी पूरी सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने बिहार के औद्योगिक विकास के लिए इंडस्ट्री हब की योजना पर जोर दिया। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में उद्योगों के लिए जमीन और संसाधन चिन्हित करें। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में निवेश करने वाले कारोबारियों को सुरक्षा का पूरा भरोसा मिलना चाहिए। निवेशकों की मदद के लिए हर जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेगा।

डायल 112 सेवा को मजबूती पर जोर

कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सीएम ने पुलिस अधीक्षकों को डायल 112 सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्रतिक्रिया समय को कम किया जाए ताकि संकट के समय जनता को तुरंत मदद मिल सके। अपराध नियंत्रण के लिए तकनीकी निगरानी और गश्त बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में महिला सुरक्षा, विशेषकर बच्चियों के खिलाफ होने वाले गंभीर अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई करनी होगी। अनुसंधान को समय पर पूरा कर स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाई जाए। महिला थानों और हेल्पडेस्क को और अधिक संवेदनशील और सक्रिय बनाया जाएगा।

भारत के लिए 'होर्मुज स्ट्रेट' में कोई प्रतिबंध नहीं

- अमेरिकी धमकी के बीच ईरान बोला-आगे भी नहीं रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच फिर से बढ़ते तनाव की वजह से पश्चिम एशिया संकट में अनिश्चितताएं और बढ़ गई हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, दूसरी तरफ ईरान अपने स्टैंड से टस से मस नहीं हो रहा। लेकिन, इन्हीं अनिश्चितताओं के बीच ईरान ने भारत को फिर से भरोसा दिलाया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके जहाजों के लिए उसकी ओर से कोई रोक नहीं है। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथाली ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर भयानक हमले की धमकियों के बीच फिर से दावा किया है कि भारतीय व्यापारिक जहाजों और तेल-गैस के टैंकरों के लिए होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से खुला हुआ है। मोहम्मद फथाली ने एक इंटरव्यू में यह दावा किया है।

भारत को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की प्रक्रिया भविष्य में भी – इस इंटरव्यू में ईरानी राजदूत ने कहा, हमनें कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-ईरान के आक्रमण में जिन देशों ने भागीदारी नहीं की है, वे होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजर सकते हैं। उनके अनुसार उनका देश अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इशारों में यह बताने की कोशिश की है कि हाल के दिनों में जो रुकावटें आई हैं, वह बदले हालातों की वजह से पैदा हुई हैं। उनके अनुसार, स्वभाविक तौर पर हालात से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्ट्रेट से गुजरने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं और सभी जहाजों को उसका पालन करने की आवश्यकता है। इरानी राजदूत ने कहाकि ईरान भारत के लिए हमेशा कटिबद्ध है।

अमेरिकी नाकेबंदी के बाद होर्मुज से नहीं निकले भारतीय जहाज

ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले शुरू होने के बाद 10 भारतीय जहाज और टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। 13 अप्रैल, 2026 को जबसे अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने के नाम पर ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की, तब से एक भी भारतीय जहाज के वहां से सुरक्षित निकलने की आधिकारिक जानकारी नहीं है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार अभी भी होर्मुज स्ट्रेट के उसपार फारस की खाड़ी में 14 भारतीय जहाज मौजूद हैं। अमेरिकी नाकेबंदी के बाद दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज से निकलने की कोशिश की थी, लेकिन ईरानी सुरक्षा बलों ने उन्हें चेतावनी देकर वापस फारस की खाड़ी की ओर लौटने को मजबूर कर दिया।

मप्र जबलपुर के बरगी डैम में बड़ा हादसा

30 पर्यटकों से भरा क्रूज डूबा, 4 शव बरामद

कई अब भी लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी,15 को बचाया

भोपाल/जबलपुर (एजेंसी)। मप्र के जबलपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल बरगी डैम से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां नर्मदा नदी के बैकवाटर में पर्यटकों से भरा एक क्रूज अचानक डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 लोग सवार बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, जब क्रूज नर्मदा के गहरे बैकवाटर में था, तभी अचानक मौसम बदला और तेज हवाएं चलने लगीं। पानी की ऊंची लहरों और तेज हवा के दबाव के कारण क्रूज अपना संतुलन खो बैठा और देखते ही देखते पानी में समा गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय नाविकों और प्रशासन ने बचाव कार्य

शुरू किया। अब तक करीब 15 लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव दल ने 4 शव बरामद कर लिए हैं. अभी भी कुछ लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश के लिए गोताखोर और एसडीआरएफ की टीमें जुटी हुई थीं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में बाइक चोर रंगे हाथ पकड़ा, मंडी में लॉक तोड़ते दबोचा, पहले भी कर चुका था चोरी, साथी फरार

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र स्थित लगड़ीपाकड़ सब्जी मंडी में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं के बाद गुरुवार को एक शातिर चोर को रंगे हाथ पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी से मंडी के दुकानदारों और ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है, जो लगातार चोरी की वारदातों से परेशान थे। चोरी की घटनाओं से त्रस्त होकर मंडी के दुकानदार और ग्राहक पहले से ही सतर्क थे और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। गुरुवार को चोर अपने गिरोह के साथ फिर मंडी पहुंचा और एक बाइक का लॉक तोड़ने की कोशिश करने लगा। तभी मंडी मालिक की नजर उस पर पड़ी और शोर मचाने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। स्थानीय लोगों द्वारा चोर की हल्की पिटाई की भी सूचना है, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पकड़े गए चोर की पहचान सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत विक्रमपुर निवासी शत्रुघ्न सिंह के पुत्र दीपू कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि वह पहले भी इस मंडी से बाइक चोरी कर चुका है। उसने यह भी बताया कि वह चोरी की गई गाड़ियों को मुजफ्फरपुर में बेचता था। बताया जा रहा है कि मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों में पहले की चोरी की घटनाओं में भी यही चोर कैद हुआ था। इसी आधार पर मंडी के लोग पहले से ही उस पर नजर रखे हुए थे। गुरुवार को जैसे ही वह फिर मंडी में दिखाई दिया, लोग सतर्क हो गए और अंततः उसे चोरी करते हुए पकड़ लिया। चोर दीपू कुमार सिंह ने यह भी खुलासा किया कि वह अपने एक साथी सुभाष सिंह के बेटे सुमित सिंह के साथ हरियाणा नंबर की वैगनआर चारपहिया वाहन से मंडी आता था। इस बार भी वे साथ आए थे, हालांकि उसका साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी दीपू कुमार सिंह को गिरफ्तार कर थाने ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।इस घटना के बाद मंडी के व्यवसायियों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, बगीचे में छापेमारी, भारी मात्रा में स्प्रिट-बोतल बरामद

हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े अवैध शराब सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। चकगुलामुद्दीन गांव के एक बगीचे में चल रही अवैध शराब फैक्ट्री पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली शराब, स्प्रिट, खाली बोतलें और ब्रांडेड रैपर बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई के दौरान एक शराब माफिया को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर, गुप्त सूचना के आधार पर बेलसर थाना पुलिस ने चकगुलामुद्दीन गांव के बगीचे में छापेमारी की। पुलिस टीम के पहुंचते ही वहां मौजूद शराब तस्करों में अफरा-तफरी मच गई। मौके से भागने की कोशिश कर रहे अपराधियों का पुलिस ने पीछा किया, जिसमें एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य फरार होने में सफल रहे। बगीचे की तलाशी लेने पर पुलिस को पता चला कि पूरे क्षेत्र को एक अवैध शराब फैक्ट्री में बदल दिया गया था। मौके से स्प्रिट से भरे कंटेनर, बड़ी संख्या में खाली बोतलें, ढक्कन और तैयार नकली शराब जब्त की गई। छापेमारी के दौरान हरियाणा, उत्तर प्रदेश और झारखंड के नामी ब्रांड्स जैसे ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल स्टैग और इम्पीरियल ब्लू के रैपर भी बरामद हुए। इन रैपर का उपयोग कर नकली शराब को असली बताकर बाजार में बेचने की तैयारी थी। पुलिस के अनुसार, बरामद की गई शराब अत्यधिक जहरीली हो सकती थी, जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका थी। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़ी त्रासदी टल गई है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है और फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह के तार किन-किन राज्यों से जुड़े हैं।

बॉयफ्रेंड के साथ पकड़ी गई 2 बच्चों की मां, ग्रामीणों ने मारपीट कर मंदिर में कराई शादी

हाजीपुर। वैशाली में 2 बच्चों की मां को प्रेमी के साथ बगीचे में पकड़ा गया। ग्रामीणों ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद दोनों को पकड़कर छपकी पोखर स्थित एक मंदिर में उनकी शादी करवा दी। घटना पातेपुर थाना क्षेत्र की है। महिला की पहचान खुशी कुमारी और प्रेमी की पहचान परदेशी कुमार के रूप में हुई है। घायल प्रेमी को इलाज के लिए पातेपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। खुशी कुमारी की शादी 2022 में राजीव पासवान से हुई थी। उनके दो छोटे बच्चे भी हैं। वहीं, खुशी कुमारी और परदेशी कुमार की एक साल पहले इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू हुई। दोस्ती होने के बाद दोनों फोन पर लगातार बातचीत करते रहते थे। इसी बीच दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। राजीव पासवान ने बताया कि मेरी पत्नी का दूसरे लड़के के साथ अफेयर चल रहा था। दोनों को जब पकड़ा गया, तो दोनों ने कहां उन्हें एक-दूसरे के साथ रहना है। उन्होंने बताया कि तीन बार लड़के से विवाद भी हुआ था। उसे मैंने बोला था हमारे दो बच्चे हैं। मेरी भी इज्जत-प्रतिष्ठा है, मेरी पत्नी से दूरी बना लो। मैंने दोनों को समझाने की बहुत कोशिश की थी। लेकिन दोनों ने मेरी बात नहीं मानी। राजीव पासवान ने कहा कि मेरी पत्नी को जब प्रेमी से मिलने का मन करता था, तो वो मुझसे झगड़ा करके घर से भाग जाती थी। मेरी पत्नी दीपावली के दिन भी प्रेमी के घर चली गईं थी। एक रात वहीं रही थी, फिर उसके मां-बाप उसको पकड़कर लाए थे। राजीव पासवान ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अब अपनी पत्नी को अपने साथ नहीं रखना चाहते। मेरे 2 बेटे है, वो मेरे साथ रहेंगे। प्रेमी की पहचान पातेपुर के मण्डईडीह गांव निवासी मेघा पासवान के बेटे परदेशी कुमार के रूप में हुई है। परदेशी ने बताया कि कल मैं रिश्तेदार के यहां जा रहा था। इसी बीच खुशी ने फोन कर मिलने के लिए बुलाया तो मैं चला आया। इसी बीच गांव वालों ने हमें साथ में देख लिया। उन्होंने मारपीट करने के बाद हमारी शादी करवा दी। इधर शादी करने के बाद खुशी कुमारी ने बताया कि अब हम दूसरे पति के साथ रहेंगे। "मर जाएंगे लेकिन अब पहले पति के घर नहीं जाएंगे"। उसने बताया कि इंस्टाग्राम पर हम दोनों का संपर्क हुआ था और मैसेज में बातें होती थी।

जिओ टावर के कंट्रोल रूम में लगी आग, ब्लास्ट के बाद उठी लपटें, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गुरुवार सुबह घर की छत पर लगे जिओ टावर के कंट्रोल सेंटर रूम में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। एक घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना मिठनपुरा थाना क्षेत्र के रज्जु साह लेन की है। मकान मालिक रंजन सिंह ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। जब छत पर पहुंचा तो देखा कि कंट्रोल रूम में आग लगी हुई है। शॉर्ट सर्किट या बैटरी ब्लास्ट होने की आशंका है। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बालू और पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड के पदाधिकारी रामनिवास पांडे ने बताया कि इलाके की गली काफी संकरी और तारों से घिरी होने के कारण बड़ी गाड़ी को पहुंचने में दिक्कत हुई, इसलिए छोटी गाड़ियों की मदद से आग बुझाई गई। रिहायशी इलाके में बिना पर्याप्त अग्नि सुरक्षा के इस तरह टावर लगाना लापरवाही दर्शाता है और इस पर विभागीय स्तर पर बात की जाएगी। मौके पर जिओ कंपनी के अधिकारी भी पहुंचे और जांच शुरू की। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से इनकार किया, लेकिन प्रारंभिक तौर पर बैटरी ब्लास्ट को आग लगने की संभावित वजह बताया जा रहा है।

दिल्ली में बिहारी युवक की हत्या पर कांग्रेस का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

दिल्ली में एक बिहारी मजदूर की कथित तौर पर पहचान पूछकर गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना ने बिहार की सियासत को गरमा दिया है। इस घटना के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस ने पटना स्थित सदाकत आश्रम के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए और केंद्र सरकार के साथ-साथ एनडीए के नेताओं पर भी निशाना साधा। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। घटना को शर्मनाक और चिंताजनक बताया।

राजेश राम बोले- समाज में बढ़ती असहिष्णुता: राजेश राम ने कहा, जिस तरह से युवक से उसका राज्य पूछा गया और बिहार का नाम सुनते ही गोली मार दी गई, वह न सिर्फ कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है बल्कि समाज में बढ़ती असहिष्णुता को भी दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज बिहारी देशभर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं, लेकिन इस तरह की घटनाएं उनके सम्मान और सुरक्षा पर बड़ा सवाल है।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना: कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की चुप्पी को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस बयान या कार्रवाई सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए।

मांझी के बयान पर भड़की कांग्रेस: इस घटना के बाद दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस ने जीतन राम मांझी को भी आड़े हाथों लिया। राजेश राम ने कहा कि एक बिहारी युवक की हत्या हो जाती है और इस पर इस तरह का बयान देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह पूरी तरह से अवसरवादी राजनीति का उदाहरण है।कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि आखिर इतनी बड़ी घटना के बाद भी मांझी संवेदनशील प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे पाए।

❐ राजेश राम बोले- बिहारियों के सम्मान-सुरक्षा पर बड़ा सवाल, मांझी और चिराग को भी घेरा

चिराग पासवान की चुप्पी पर सवाल: प्रदर्शन के दौरान चिराग पासवान की चुप्पी को लेकर भी कांग्रेस ने निशाना साधा। राजेश राम ने कहा कि जो नेता 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की बात करते हैं, वे इस घटना पर खामोश क्यों हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि चिराग पासवान सिर्फ राजनीतिक परिस्थितियों के हिसाब से बयान देते हैं और इस मामले में उनकी चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। कांग्रेस ने इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

पटना-नाबालिग रेंटर ने 17 वर्षीय लड़की का किया रेप

एजेंसी, पटना

◆ दोनों एक ही बिल्डिंग में रहते, पीड़िता बोली- परिजन बाहर गए थे, घर में घुसकर जबरदस्ती की

पटना के राजीव नगर थाना क्षेत्र में 17 साल की नाबालिग से रेप की वारदात हुई है। घटना मंगलवार सुबह की है। आरोपी लड़का (13) भी नाबालिग है। दोनों रेंट पर एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। ऊपर की फ्लोर पर लड़का रहता है और नीचे की फ्लोर पर लड़की की रहती है। लड़की का आरोप है कि उसके घर के परिजन काम के सिलसिले में बाहर चले गए थे। लड़के के भी परिजन नहीं थे। इसी बीच लड़का सीढ़ी से नीचे उतर कर आया और लड़की के गेट को खटखटाना शुरू कर दिया। लड़की को लगा कि उसके परिजन आए हैं। उसने दरवाजा खोला दिया। इसी बीच लड़का कमरे में घुस गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।

कोर्ट के सामने लड़की ने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड कराया: लड़की का आरोप है कि इस दौरान लड़के ने जबरन उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। फिर वहां से फरार हो गया। काम पर से परिजनों के लौटने के बाद घटना के बारे में लड़की बताई। इसके बाद परिजन दोपहर में राजीव नगर थाने लेकर पहुंचे। लिखित शिकायत की। लड़की का मेडिकल कराया गया। फिलहाल कोर्ट के सामने लड़की ने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड कराया है।

SDPO 2 लॉ एंड ऑर्डर दिव्यांजलि जायसवाल ने बताया कि घटना में शामिल आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया है। 28 अप्रैल 11 बजे सुबह पुलिस को सूचना मिली घुड़दौड़ रोड में रेप की वारदात हुई है इस आधार पर पुलिस वहां पहुंची। एफएसएल की टीम से जांच कराई गई। जो भी वहां एविडेंस थे, सभी को सुरक्षित करके जप्त कर लिया गया।

4 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश, पटना समेत कई शहरों में छाए बादल

एजेंसी, पटना

बिहार में गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। ज्यादातर जिलों में दिनभर बादल छाए रहे। शाम में नवादा, लखीसराय, जमुई और शेखपुरा में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। पटना समेत कई जिलों में भी बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 19 जिलों में ऑरेंज, जबकि 19 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

रोहतास के नोहटा प्रखंड स्थित महादेव खोह वाटर फॉल में बुधवार की रात पहाड़ी इलाकों में हुई भारी बारिश के बाद अचानक पानी का तेज बहाव देखने को मिला। पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश से बिहार में 10 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा पटना और बेतिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं जहानाबाद में छज्जा गिरने से 4 लोग घायल हो गए। वहीं, भोजपुर में महुली पीपा पुल तीन हिस्सों में बंट गया।

बुधवार की शाम पटना में आई आंधी-बारिश ने विमानों और ट्रेनों की रफ्तार रोक दी। एअर इंडिया की दिल्ली से आने वाली फ्लाइट को वाराणसी, जबकि इंडिगो की कोलकाता से आने वाली फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। दोनों विमानों में 175 यात्री थे।

वहीं पटना-दिल्ली रेललाइन पर बिहटा-कुल्हड़िया के बीच ओवरहेड वायर पर पेड़ गिरने से करीब डेढ़ घंटा तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। राजेंद्रनगर तेजस राजधानी शाम 7:55 से 9 बजे तक फुलवारी में रुकी रही। संपूर्ण क्रांति पटना जंक्शन और मगध एक्सप्रेस बिहटा स्टेशन पर रुकी रही।

पटना में 1.25 करोड़ के इंजेक्शन-कफ सिरप जब्त

एजेंसी, पटना

❐ कैंसर के लिए बनी दवाओं का नशे में इस्तेमाल, अगमकुआं में 21 लाख की शराब बरामद

पटना के अगम कुआं थाना क्षेत्र की रूपस नगर कॉलोनी में ड्रग विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने यहां से 1 करोड़ 25 लाख रुपये से अधिक मूल्य के इंजेक्शन और कफ सिरप बरामद किए हैं। इसके साथ ही तीन अलग-अलग ब्रांड के कोडिन युक्त कफ सिरप भी बड़ी मात्रा में मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ये इंजेक्शन मूल रूप से कैंसर मरीजों को दर्द कम करने के लिए दिए जाते हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जा रहा था।

गुप्त सूचना पर हुई छापेमारी: ड्रग विभाग के अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि रूपस नगर कॉलोनी में बड़े पैमाने पर इंजेक्शन और कफ सिरप का अवैध भंडारण किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान टीम ने तीन अलग-अलग ब्रांड के कोडिन सिरप और बड़ी संख्या में बुप्रीनोर्फीन इंजेक्शन जब्त किए।

गोदाम बना था सप्लाई का केंद्र: बरामदगी की मात्रा को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि यह मकान अवैध ड्रग्स के भंडारण और सप्लाई का बड़ा केंद्र था। यहां से शहर के अलग-अलग हिस्सों में नशीली दवाओं की आपूर्ति की जाती थी।

मुख्य आरोपी फरार, तलाश जारी: छापेमारी के दौरान गोदाम का मालिक मोहित कुमार मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वह पीरबहोर थाना क्षेत्र के बजाजा गली का रहने वाला है। फिलहाल ड्रग विभाग और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

गोदाम सील, नेटवर्क की जांच शुरू: पुलिस और ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने गोदाम को सील कर दिया है। अधिकारी इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कामयाबी है। ड्रग विभाग ने आरोपी मोहित कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अगमकुआं में 21 लाख की अंग्रेजी शराब जब्त: पटना के अगम कुआं थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग ने छोटी पहाड़ी मोड़ के पास से 21 लाख रुपये की अंग्रेजी शराब जब्त के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। यह खेप डाक पार्सल विभाग के एक पिकअप वाहन से शराब बरामद की। गिरफ्तार युवक की पहचान दुल्हन बाजार निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है।

झारखंड से लाकर भागलपुर सप्लाई करने वाले थे तस्कर: उत्पाद विभाग के अधिकारी प्रेम कुमार ने बताया कि, अवैध शराब कारोबार की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर पिकअप वाहन से 193 कार्टून (कुल 1737 लीटर) अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 21 लाख रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह शराब झारखंड से लाई गई थी और इसे भागलपुर भेजा जाना था। गिरफ्तार ड्राइवर मनोज कुमार से पूछताछ जारी है।

दानापुर में निर्माणाधीन बिल्डिंग की दीवार गिरी दो की मौत, तेज आंधी-तूफान के दौरान हादसा

एजेंसी, पटना

◆ स्थानीय लोगों ने किया रेस्क्यू, एक घायल का इलाज जारी

पटना के दानापुर में बुधवार शाम आए तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। रूपसपुर थाना क्षेत्र के रुकनपुरा देवी स्थान के पास एक निर्माणाधीन इमारत की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान तिलक नगर निवासी 73 वर्षीय त्रिभुवन प्रसाद सिंहा और रुकनपुरा निवासी 45 वर्षीय अनीता देवी के रूप में हुई है। अनीता देवी मूल रूप से नौबतपुर की रहने वाली थीं। घायल व्यक्ति का इलाज जारी है।

घर लौटते वक्त हादसा: जानकारी के मुताबिक, दोनों मृतक आंधी और बारिश के बीच पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान निर्माणाधीन बिल्डिंग की छठी मंजिल से अचानक दीवार भरभराकर नीचे गिर गई और दोनों उसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज हवा और बारिश के कारण इमारत का ढांचा पहले से ही कमजोर हो गया था। अचानक तेज आवाज के साथ दीवार गिरी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने किया रेस्क्यू: हादसे के बाद दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल: मृतका अनीता देवी के बेटे पप्पू गुप्ता ने बताया, 'मां आंधी आने से करीब आधे घंटे पहले घर से निकली थीं। रास्ते में ही यह हादसा हो गया। हमें सूचना मिली कि निर्माणाधीन मकान की दीवार उन पर गिर गई है। हम मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों उन्हें मृत घोषित कर दिया।'

तेज आंधी-तूफान के कारण हादसा: बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन भवन नंद किशोर सिंह का है। रूपसपुर थानाध्यक्ष शशि भूषण सिंह ने बताया कि, 'तेज आंधी-तूफान के कारण दीवार गिरने से हादसा हुआ है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।'

बिहार में सीओ और राजस्व कर्मियों की हड़ताल खत्म

एजेंसी, पटना

बिहार में करीब एक महीने से जारी राजस्व अधिकारियों और कर्मियों की हड़ताल अब समाप्त हो गई है। सामूहिक हड़ताल को खत्म करने का ऐलान संघ के प्रतिनिधियों ने किया है। यह निर्णय विभाग के सचिव जय सिंह के साथ हुई वार्ता के बाद लिया गया। दोनों कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों ने बताया कि सरकार के साथ सकारात्मक बातचीत हुई है, जिसके बाद उन्होंने काम पर लौटने का फैसला लिया है।

अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने उनकी मांगों पर विचार करने का भरोसा दिया है, जिसके आधार पर यह कदम उठाया गया। संघ की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सभी अंचल और राजस्व कर्मी अगले 24 घंटे के अंदर अपने-अपने कार्यस्थलों पर वापस लौट जाएंगे। इससे लंबे समय से बाधित राजस्व कार्यों के फिर से पटरी पर आने की उम्मीद है।

एक महीने से ठप था राजस्व कार्य: गौरतलब है कि पिछले एक महीने से राज्य भर में CO और अन्य राजस्व कर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर थे। इस दौरान जमीन से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य जैसे दाखिल-खारिज, म्यूटेशन, प्रमाण पत्र जारी करना पूरी तरह प्रभावित रहे। हड़ताल के चलते राजस्व कार्य बाधित होने पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया था।

तेजप्रताप बोले- कंगना रनौत के चक्कर में पड़े हैं चिराग

एजेंसी, पटना

❐ एक्ट्रेस बोलीं- अगर रोमांस होता तो हमारे बच्चे होते, वे सिर्फ मेरे दोस्त हैं

बिहार की राजनीति में अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले तेजप्रताप यादव ने चिराग पासवान को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस बार तेजप्रताप के निशाने पर चिराग का कोई नीतिगत मुद्दा नहीं, बल्कि केंद्रीय मंत्री की निजी जिंदगी है। हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में तेजप्रताप ने बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत के साथ उनकी कथित नजदीकियों का जिक्र किया है। उन्हें कहा कि चिराग पासवान एक्ट्रेस के चक्कर में पड़े हैं। वहीं कंगना रनौत कह चुकी हैं कि दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। अगर चिराग से रोमांस होता तो दोनों के बच्चे हो चुके रहते। JJD नेता तेज प्रताप यादव ने चिराग पासवान पर तंज कसते हुए कहा, 'चिराग पासवान इन दिनों किसी 'हिरोइन के चक्कर' में हैं। शुरुआत में उन्होंने नाम लेने से परहेज किया, लेकिन जब उनसे स्पष्ट तौर पर पूछा गया कि वह किस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं तो उन्होंने बंगाल चुनाव प्रचार का हवाला देते हुए सीधा कंगना रनौत का नाम लिया। तेज प्रताप ने अपने बयान को पुख्ता करने की कोशिश करते हुए कहा, 'चिराग और कंगना अक्सर साथ देखे जा रहे हैं। चाहे सदन हो या सड़क, चिराग पासवान अक्सर उन्हीं के साथ नजर आते हैं।'

पीएमसीएच होगा पूरी तरह पेपरलेस, मरीजों को मिलेगी डिजिटल सुविधा, मई महीने से फ्री वाई-फाई सुविधा

एजेंसी, पटना

❐ लंबी लाइनों से मिलेगी राहत

बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) अब पूरी तरह डिजिटल होने जा रहा है। मरीजों को बेहतर सुविधाएं देन के उद्देश्य से अस्पताल को हाईटेक बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में मई के दूसरे सप्ताह से PMCH के नए भवन परिसर में वाई-फाई सुविधा शुरू की जाएगी। आगे अस्पताल की पूरे सिस्टम को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे।

BSNL बिछा रही लीज लाइन, 40 लाख लागत: अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, राज्य सरकार ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है। भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) द्वारा लीज लाइन बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है। इसमें करीब 40 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

कनेक्टिविटी की समस्या से मिलेगा छुटकारा: PMCH के नए भवन परिसर में इंटरनेट नेटवर्क की समस्या लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। मरीजों, डॉक्टरों और कर्मचारियों सभी को कनेक्टिविटी में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। वाई-फाई सुविधा शुरू होने से इस समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

हर फ्लोर पर मिलेगा फास्ट इंटरनेट: वाई-फाई सुविधा के बाद अस्पताल के हर फ्लोर पर फास्ट इंटरनेट नेटवर्क उपलब्ध होगा। इससे मरीजों के साथ-साथ डॉक्टरों और स्टाफ के लिए भी कार्य प्रक्रिया आसान और तेज हो जाएगी। ऑनलाइन रिपोर्ट देखने, मरीजों का डेटा अपडेट करने और अन्य डिजिटल सेवाओं का उपयोग अब बिना किसी रुकावट के संभव होगा।

पेपरलेस सिस्टम की ओर बढ़ेगा अस्पताल: अस्पताल प्रशासन का लक्ष्य सिर्फ वाई-फाई सुविधा देना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को डिजिटल बनाना है। आने वाले समय में सभी विभागों को आपस में जोड़ा जाएगा, जिससे मरीजों का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा। मरीजों की फाइलें, जांच रिपोर्ट, दवाओं का विवरण और इलाज से जुड़ी सभी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस पहल के बाद कागजी कार्यवाही पर निर्भरता कम होगी और PMCH पूरी तरह पेपरलेस सिस्टम की ओर अग्रसर होगा, जिससे इलाज की प्रक्रिया और भी सुगम होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

तुरकौलिया में एसबीआई एटीएम से चोरी मामले में एसआईटी की ताबड़तोड़ छापेमारी जारी

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर बस स्टैंड के समीप स्थित एसबीआई के एटीएम से करीब 36 लाख रुपये की बड़ी चोरी के मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। घटना के बाद गठित एसआईटी लगातार संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। घटना के एक दिन बाद डॉग स्क्वायड टीम को भी मौके पर बुलाया गया, ताकि कोई अहम सुराग मिल सके। हालांकि खोजी कुत्तों से इस मामले में कोई खास सफलता हाथ नहीं लग सकी। इस संबंध में एटीएम संचालन से जुड़ी हिटाची एजेंसी के पदाधिकारी संजय कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, एसआईटी टीम सदर वन एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह के नेतृत्व में मामले की गहन जांच कर रही है। बताया जाता है कि मंगलवार की देर रात करीब दो बजे अज्ञात चोरों ने एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर उसमें रखा कैश बॉक्स निकाल लिया और फरार हो गए। पूरी घटना एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें तीन से चार अपराधी नजर आ रहे हैं। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच तेजी से जारी है। जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी का दावा किया गया है।

पॉक्सो मामले में दोषी को 20 साल की सजा, पीड़िता को 3 लाख का प्रतिकर

बीएनएम @ बगहा। पश्चिम चंपारण के बगहा में पॉक्सो मामले में विशेष न्यायालय (बलात्कार एवं पॉक्सो), बेतिया ने सख्त फैसला सुनाते हुए नामजद अभियुक्त निरगुन राम को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने अभियुक्त को विभिन्न धाराओं में कठोर कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय के अनुसार, अभियुक्त को बीएनएस की धारा 65(2) के तहत 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 126(2) में एक माह का कारावास एवं 1 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 115(2) में एक वर्ष का कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदंड दिया गया है। वहीं पॉक्सो एक्ट की धारा 4 एवं 6 के तहत भी 20-20 वर्ष के कठोर कारावास के साथ प्रत्येक धारा में 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। न्यायालय द्वारा कुल 66 हजार रुपये का अर्थदंड निर्धारित किया गया है। अर्थदंड नहीं देने पर अभियुक्त को अतिरिक्त 9 माह 20 दिन का कारावास भुगतना होगा। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इसके साथ ही न्यायालय ने पीड़िता को 3 लाख रुपये प्रतिकर देने का भी आदेश दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, बगहा ने इसे त्वरित विचारण के तहत रखा और स्वयं इसकी निगरानी की। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) जयशंकर तिवारी ने प्रभावी पैरवी कर अभियुक्त को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्व थानाध्यक्ष सेमरा की बढ़ेगी मुश्किल!

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस जिला के सेमरा थाना के पूर्व प्रभारी सम्पत कुमार यादव पर मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। जिनपर कानून की अवहेलना, धमकी देने तथा न्यायालय के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने एक व्यक्ति को दौड़ा कर गोली मारने की धमकी दी थी और न्यायालय को "पागलों का अड्डा" बताया था। जिससे न्यायिक गरिमा पर प्रश्न खड़ा हुए हैं इस मामले में शास्त्रीनगर, बगहा निवासी जावेद अख्तर उर्फ मुन्ना ने बताया गया कि उनके ही द्वारा बगहा न्यायालय में दायर परिवाद दर्ज कराया गया था जिसपर न्यायिक दंडाधिकारी, बगहा ने संज्ञान लेते हुए विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जाता है कि सेमरा थाना में अपने कार्यकाल के दौरान सम्पत कुमार यादव का आचरण काफी विवादित रहा है। उनके खिलाफ पहले से ही पटना उच्च न्यायालय में एक आपराधिक रिट याचिका भी लंबित है।

चौतरवा थानाध्यक्ष के खिलाफ एसपी को दिया आवेदन

बीएनएम @बगहा : बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र स्थित बरिआरवा गांव के संतोष साह ने चौतरवा थानाध्यक्ष शुभम कुमार के विरुद्ध बेवजह बेरहमी से मारपीट करना और आठ घंटे थाना परिसर के नये भवन में बंद रखना सुशासन की सरकार में एक गंभीर आरोप लगाया गया है। साथ ही पीड़ित व्यक्ति को छोड़ने के एवज में रिश्वत लेना जहां प्रशासन की खुली चुनौती का पोल खोलते नजर आ रहे हैं। छोड़ने के एवज में 23 हजार रुपए वसूल करने का गंभीर आरोप लगाते हुए पीड़ित व्यक्ति ने मंगलवार को बगहा पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। हालाकि थानाध्यक्ष शुभम कुमार ने बताया कि उसके भाई के खिलाफ महिला भागाने का एफआईआर दर्ज था।थानाध्यक्ष ने रुपये लेने का आरोप निराधार बताते हुए कहा कि यह एक साजिश के तहत उन्हें फंसाने का षडयंत्र है।

पंचायतों में शुरू हुआ जीवन प्रमाणीकरण शिविर

बीएनएम @ जमुई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण राहत दी है। जिला पदाधिकारी के आदेश संख्या-361 के अनुसार, 30 अप्रैल से 30 मई 2026 तक जिले की सभी पंचायतों में जीवन प्रमाणीकरण हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पेंशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना और यह सुनिश्चित करना है कि लाभ केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही मिले।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के भीतर प्रमाणीकरण न कराने वाले लाभार्थियों का पेंशन भुगतान बाधित हो सकता है। शिविरों के सफल संचालन के लिए पंचायत सचिवों, विकास मित्रों और सीएससी संचालकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके साथ ही विभाग ने मृत पेंशनधारियों को पोर्टल पर चिह्नित कर उनसे हुए अतिरिक्त भुगतान की वसूली के लिए भी कार्रवाई शुरू कर दी है।जिला प्रशासन ने सभी पेंशनधारियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी शिविर या कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर निःशुल्क प्रमाणीकरण प्रक्रिया पूरी करें। इस व्यवस्था से वृद्ध और असहाय लाभार्थियों को दूर दराज के कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और उन्हें घर के समीप ही सत्यापन की सुविधा मिलेगी।

ईओ कृष्णभूषण कुमार की हत्या पर अरेराज में शोक, सुरक्षा की उठी मांग

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर परिषद सुल्तानगंज के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) कृष्णभूषण कुमार की कार्यालय में घुसकर की गई निर्मम हत्या से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस घटना के विरोध में अरेराज नगर पंचायत कार्यालय में शोक सभा आयोजित कर कर्मियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की। शोक सभा के दौरान नगर पंचायत कर्मचारियों ने दिवंगत ईओ के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और घटना की कड़ी निंदा की। कर्मियों ने इस दौरान सरकार और प्रशासन से नगर पंचायत एवं नगर परिषद के पदाधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही, घटना में शामिल फरार अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी जोर-शोर से उठाई गई। बताया गया कि कृष्णभूषण कुमार पूर्व में अरेराज नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके थे, जिससे स्थानीय कर्मियों में उनके प्रति विशेष लगाव था।

हाईवा के धक्के से महिला की मौत

बीएनएम @गयाजी

गयाजी। जिले के बोधगया थाना क्षेत्र के जानी बिगहा निवासी ललन यादव की पत्नी सुमित्रा देवी की सड़क हादसे में मौत हो गई। सुमित्रा देवी अपने पति के साथ बाइक से मायके मुशरब्दा से ससुराल लौट रही थीं। रास्ते में नहाटा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि सुमित्रा सीधे हाईवा के पहिए के नीचे चली गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। इसके बाद गुस्साए लोगों को पुलिस ने समझाने की कोशिश की, तो इन्होंने पुलिस पर अटैक कर दिया। जिसमें थानाध्यक्ष को चोट लगी है। बता दें कि सड़क हादसे के बाद देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। गुस्साए लोगों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। सड़क जाम होते ही इलाके में गाड़ी की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही मोहनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम हटाने की कोशिश शुरू की। लेकिन माहौल और भड़क गया. ग्रामीण मौके पर डीएम व एसएसपी को बुलाने की मांग कर रहे थे। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठी डंडे व पथराव शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान मोहनपुर थानाध्यक्ष संजय कुमार घायल हो गए।

हरसिद्धि प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित, 18 सदस्यों ने किया समर्थन

बीएनएम @हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड की राजनीति में बुधवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब प्रखंड प्रमुख जानकी देवी के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित हो गया। प्रखंड सभागार में उप प्रमुख की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में कुल 20 समिति सदस्य उपस्थित रहे। मतदान के दौरान 18 सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट डाला, जबकि मात्र 2 सदस्यों ने प्रमुख जानकी देवी के समर्थन में अपना मत दिया। बैठक के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) गुलशन कुमार ने आधिकारिक रूप से घोषणा की कि अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया है। इसके साथ ही जानकी देवी का प्रमुख पद पर बने रहना समाप्त हो गया है। इस राजनीतिक बदलाव के बाद क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। पूर्व प्रमुख चंदा देवी के समर्थकों में जश्न का माहौल देखा जा रहा है, वहीं अन्य जनप्रतिनिधियों के बीच आगे की रणनीति को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब प्रखंड में नए प्रमुख के चयन की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

तुरकौलिया पंचायत समिति बैठक में जनसमस्याओं की गूंज, कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में गुरुवार को पंचायत समिति की सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख बिभा यादव ने की, जिसमें विभिन्न पंचायतों के मुखिया और समिति सदस्यों ने क्षेत्र की कई गंभीर समस्याओं को उठाया। बैठक के दौरान शंकरसरैया दक्षिणी के मुखिया एजाज अहमद ने बताया कि शंकरसरैया गढ़ पर पिछले करीब 50 वर्षों से बसे भूमिहीन गरीबों को अब तक जमीन का पर्चा नहीं मिल सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंचल नाजिर द्वारा पर्चा देने के नाम पर प्रति परिवार 20-20 हजार रुपये की मांग की जा रही है। तुरकौलिया पूर्वी के मुखिया विनय कुमार ने नल-जल योजना में व्याप्त खामियों को उजागर करते हुए इसे पीएचडी विभाग से हटाकर वार्ड सदस्यों को संचालन का जिम्मा देने की मांग की, ताकि स्थानीय स्तर पर बेहतर निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। वहीं मुखिया रामजन्म पासवान ने विवाह भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने में एनओसी जारी करने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अंचल कर्मियों की सुस्ती के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम लोगों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है। पंचायत समिति सदस्य बेलवा राय और ईद मोहम्मद ने भी सदन में नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बार-बार समस्याएं उठाने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, जिससे जनप्रतिनिधियों में असंतोष बढ़ रहा है। बैठक में बीडीओ संतोष राज, प्रमुख बिभा यादव, मुखिया सुनील टाइगर, एजाज अहमद, रामजन्म पासवान, विनोद सिंह सहित कई पंचायत समिति सदस्य एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

रक्सौल बॉर्डर पर नशा तस्करी का बड़ा खुलासा: 12 हजार प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद, नेपाल भेजी जा रही थी खेप

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल | भारत-नेपाल की खुली सीमा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय तस्करी के कारण चर्चा में है। रक्सौल के सहदेवा-महादेवा बॉर्डर पर पुलिस की कार्रवाई में नशीले इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामद की गई है, जिससे एक संगठित तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। थानाध्यक्ष सह आईपीएस हेमंत सिंह के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मोतिहारी से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन रक्सौल के रास्ते नेपाल भेजे जा रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ मनीष आनंद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें एसआई कृष्ण मुरारी, विकास कुमार, जितेंद्र कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। टीम ने महादेवा गांव के समीप नाकेबंदी कर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक संदिग्ध मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर (AP 28 DD 9386) को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसके गुप्त तहखाने से करीब 12 हजार प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किए गए। इनमें नूफिन, फेनेरगन और डायजेपाम-3 जैसी दवाएं शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। बरामद इंजेक्शन अवैध बाजार में लाखों रुपये में बेचे जाते हैं और यह नेटवर्क युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेल रहा है। इस कार्रवाई से एक बड़े अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह के सक्रिय होने के संकेत मिले हैं, जो ग्रामीण रास्तों और खुली सीमा का फायदा उठाकर लंबे समय से काम कर रहा था। पुलिस ने मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है और नेपाल पुलिस के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। यह घटना सीमा सुरक्षा और नशा नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

रक्सौल बॉर्डर पर मानव तस्करी नाकाम:

एसएसबी ने 13 वर्षीय बच्ची को बचाया, प्रेम जाल में फंसाकर नेपाल ले जा रहा आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर सिवान टोला चेकपोस्ट पर सशस्त्र सीमा बल की 47वीं वाहिनी की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी की साजिश को नाकाम कर दिया। 29 अप्रैल 2026 को एक आरोपी द्वारा नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर नेपाल ले जाने की कोशिश को विफल कर दिया गया। टीम ने तत्परता दिखाते हुए 13 वर्षीय बच्ची को सुरक्षित बचा लिया। चेकपोस्ट पर नेपाल की ओर जाते समय एक व्यक्ति और उसके साथ मौजूद नाबालिग लड़की पर संदेह होने पर टीम ने उन्हें रोका और पूछताछ शुरू की। काउंसलिंग और जांच के दौरान आरोपी ने अपना नाम चमन कुमार (काल्पनिक नाम) बताया, जो पलानवा थाना क्षेत्र, पूर्वी चंपारण का निवासी है। वहीं पीड़िता पश्चिम चंपारण के नौतन थाना क्षेत्र की रहने वाली है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने करीब छह माह पहले रिश्तेदारी में लड़की से संपर्क बनाया और धीरे-धीरे उसे अपने झांसे में ले लिया। शादी का झूठा वादा कर 28 अप्रैल की रात उसे घर से भगा लिया और नेपाल ले जाने की तैयारी में था। संदेह से बचने के लिए उसने शादी का नाटक भी रचा। इस पूरे मामले में विभिन्न सामाजिक संगठनों का भी अहम सहयोग रहा। "प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर", "एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन" और "स्वच्छ संस्था" के विशेषज्ञों ने काउंसलिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहायक परियोजना अधिकारी शिव पूजन कुमार के बयान पर हरैया थाना में कांड संख्या 61/26 दर्ज किया गया है। मौके पर सउनि खेमराज, हवलदार अरविंद द्विवेदी, सिपाही मुकेश कुमार, नीतू कुमारी, अंजनी मधेशिया, जिला समन्वयक आरती कुमारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे। बच्ची को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। यह घटना रक्सौल बॉर्डर पर मानव तस्करी के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहां प्रेम और शादी के नाम पर नाबालिगों को फंसाया जाता है। एसएसबी और सामाजिक संगठनों की सतर्कता और समन्वय से एक बार फिर बड़ा अपराध टल गया। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

मेधा का सम्मान: बिना कोचिंग छात्राओं ने रचा सफलता का इतिहास, रेशमा देवी प्लस टू विद्यालय में सम्मान समारोह

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र स्थित रेशमा देवी प्लस टू विद्यालय में मेधावी छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक डॉ. राजीव कुमार ने की, जिसमें मैट्रिक और इंटर परीक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह की सबसे खास बात यह रही कि सभी छात्राओं ने बिना किसी प्राइवेट कोचिंग के, केवल विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपनी मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। इससे सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की लगन का सकारात्मक संदेश सामने आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीपीओ नित्यम गौरव, पूर्व आरडीडी बृजेश ओझा, बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार और शिक्षा पदाधिकारी अशोक पन्ना उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों का फूल-माला और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। अपने संबोधन में डीपीओ नित्यम गौरव ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्रीष्मावकाश के बाद जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां नियुक्ति कर समस्या दूर की जाएगी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नियमित उपस्थिति को सफलता का मूल मंत्र बताया। इस अवसर पर नंदनी, नंदिका, मनु, मानसी, आयशा गुप्ता, कल्याणी, जिन्नत आरा सहित दो दर्जन से अधिक छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रियरंजन पांडेय, नीरज सिंह, उमेश गुप्ता सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीतामढ़ी में युवक की हत्या कर शव खेत में फेंका

बीएनएम @सीतामढ़ीः सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा प्रखंड अंतर्गत कन्हौली थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब कन्हौली पैक्स गोदाम के समीप एक खेत में युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान खोपराहा गांव वार्ड संख्या 11 निवासी प्रेमलाल महतो के 30 वर्षीय पुत्र अर्जुन कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी-2 आशीष आनंद, एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम, कन्हौली थाना अध्यक्ष बीरबल कुशवाहा समेत पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सुबह खेत में शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव की स्थिति बेहद गंभीर थी। मृतक के माथे और गर्दन पर धारदार हथियार (चाकू) से वार के गहरे निशान मिले हैं, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर लोहे की रॉड से प्रहार के संकेत भी मिले हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कहीं और कर शव को सुनसान खेत में लाकर फेंक दिया गया।

छह महीने में दो मुख्यमंत्री, 46% समय व्यर्थ गया : तेजस्वी

बीएनएम @ पटनाः पटना में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद महज छह महीने में राज्य ने दो मुख्यमंत्री देख लिए और सरकार के पहले साल का 46.03 प्रतिशत समय व्यर्थ चला गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि आधा कार्यकाल गुजरने के बाद भी सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतियों और कार्यक्रमों को लेकर कोई ठोस दिशा नहीं दिख रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ दिनों से सीमित लोगों के जरिए ही सरकार चलाई जा रही है और अधूरा मंत्रिमंडल होने के कारण फैसले बिना व्यापक चर्चा के लिए जा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। सरकार के गठन और बार-बार बदलाव को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने नीतीश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले वर्षों में कई बार सरकार बदली गई और वे कई बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। तेजस्वी यादव ने प्रशासनिक व्यवस्था पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में नौकरशाही बेलगाम हो चुकी है और भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था तथा वित्तीय प्रबंधन को लेकर स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि युवाओं, किसानों, महिलाओं और व्यापारियों के बीच निराशा का माहौल बन रहा है। अंत में उन्होंने सवाल उठाया कि जो सरकार खुद चुनौतियों से घिरी हो, वह आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे कर पाएगी।

ट्रेन से गिरकर युवक घायल,रेफर

बीएनएम @ गिद्धौर (जमुई)। थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे ट्रैक पर एक दर्दनाक हादसे में चलती ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मधेपुरा गांव निवासी उमेश सरदार के पुत्र अकलेश कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद गिद्धौर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थानीय लोगों की मदद से युवक को रेस्क्यू किया।घायल को तुरंत दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दे दी है, जिसके बाद वे अस्पताल पहुँच चुके हैं। फिलहाल हादसे के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है कि युवक संतुलन बिगड़ने से गिरा या कोई अन्य वजह थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है, जबकि स्थानीय लोगों ने रेल प्रशासन से यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

एलसीडी स्क्रीन के जरिए ग्रामीणों को दिए जाएंगे 'अग्नि सुरक्षा' के गुर

बीएनएम @ जमुई/झाझाः आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम लोगों को त्वरित बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन ने एक विशेष पहल की है। गुरुवार को झाझा प्रखंड कार्यालय परिसर से प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सुनील कुमार चांद ने 'अग्नि सुरक्षा जागरूकता वाहन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह विशेष वाहन झाझा के विभिन्न गांवों और मोहल्लों का भ्रमण कर लोगों को आपदा प्रबंधन की जानकारी देगा। इस अभियान की मुख्य विशेषता वाहन पर लगी एलसीडी स्क्रीन है, जिसके माध्यम से आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बीडीओ ने कहा कि जागरूकता के अभाव में अक्सर जान-माल की भारी क्षति होती है, जिसे इस अभियान के जरिए कम किया जा सकता है।प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि आग लगने पर घबराएं नहीं और तुरंत आपातकालीन नंबरों 101 और 112 पर सूचित करें। जागरूकता सत्र में विशेष रूप से घरेलू गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, बिजली के शॉर्ट सर्किट से बचाव और कटाई के मौसम में खेतों में लगने वाली आग को रोकने के तकनीकी उपायों पर जोर दिया गया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा से निपटने की क्षमता बढ़ेगी।

बुजुर्ग की मौत, गांव में छाया मातम

बीएनएम @ गिद्धौर (जमुई)। थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव में बुधवार शाम आसमानी बिजली (वज्रपात) की चपेट में आने से 59 वर्षीय सौदागर साव की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शाम करीब पांच बजे वे किसी निजी कार्य से घर से बाहर निकले थे, तभी अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ उन पर बिजली गिर गई।इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य अनिता देवी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मृतक के परिवार को आपदा राहत कोष के तहत उचित मुआवजा देने की गुहार लगाई है। इस असामयिक मौत से पूरा इलाका गमगीन है।

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान 17000 जुर्माना वसूला

बीएनएम @ सरमेराः' बुधवार की शाम सरमेरा -बढ़िया मोड़ के समीप ट्रैफिक डीएसपी मोहम्मद खुर्शीद आलम और सरमेरा थाना पुलिस के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान हेलमेट ,सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस और नशे में वाहन चलाने जैसे यातायात नियमों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से कुल 17000 रुपए का चलान वसूला गया। डीएसपी मोहम्मद खुर्शीद आलम ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा करने कीअपील की। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

बुधवार की शाम आई तेज आंधी और बारिश ने ढाया कहर और मचाई भारी तबाही, बिजली आपूर्ति चरमराई

गंडक पार के चारों प्रखंड अंधेरे में डूबे, एक लाख की आबादी प्रभावित

» जनजीवन अस्तव्यस्त, बीते 24 घंटे से बिजली की संकट से जूझ रहे लोग

बीएनएम @ बगहा

बगहा : गंडक पार स्थित बगहा अनुमंडल के चारों प्रखंड में बुधवार की शाम आई तेज आंधी और बारिश ने भारी कहर और तबाही मचा दी है। लगभग शाम 6 बजे शुरू हुए इस तूफान ने बिजली व्यवस्था को पूरी तरह तहस नहस कर दिया। ठकराहा प्रखंड के दियारा क्षेत्र में 132 केवी हाईटेंशन बिजली के आधा दर्जन टावर एक के बाद एक गिर गए, जिससे पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। इस प्राकृतिक आपदा का असर ठकराहा, भितहा, मधुबनी और पिपरासी प्रखंडों में साफ देखा जा रहा है, जहां करीब तीन लाख की आबादी बीते 24 घंटे से बिजली की संकट से जूझ रहा है। बिजली गुल होने के साथ ही जनजीवन लगभग ठप हो गया है। सबसे ज्यादा परेशानी पेयजल को लेकर सामने आ रही है, क्योंकि नल-जल योजना और निजी मोटर पंप पूरी तरह बंद हो गए हैं।

विद्युत विभाग के सामने हालात सामान्य करना बड़ी चुनौती बन गई है। दियारा क्षेत्र में गिरे भारी टावरों को फिर से खड़ा करने में समय लगने की बात कही जा रही है।

ठकराहा प्रखंड में 132 केवी हाईटेंशन के आधा दर्जन टावर एक के बाद एक गिरे

व्यापारिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित

बिजली आपूर्ति ठप होने से व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। आटा चक्की, वेल्डिंग की दुकानें, साइबर कैफे और छोटे उद्योग बंद पड़े हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में भी बिजली संकट का असर दिख रहा है, जिससे मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उमस भरी गर्मी में बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो गई है। संचार सेवाएं भी अब धीरे-धीरे ठप पड़ने लगी हैं। मोबाइल टावरों का बैकअप खत्म होते ही नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हो रही हैं, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

सहायक अभियंता अखिलेश कुमार के अनुसार, क्षति काफी गंभीर है और मरम्मत कार्य में समय लगेगा। फिलहाल विभाग गोपालगंज के कुचायकोट पावर ग्रिड से वैकल्पिक आपूर्ति बहाल करने की कोशिश में जुटी है। हालांकि विभाग ने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने का दावा किया है, लेकिन जमीनी हालात को देखते हुए लोगों में संशय बना हुआ है। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है, लेकिन अंधेरे में गुजार रही रातें लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ा रही हैं।

सीतामढ़ी में भी रेलवे बाउंड्री वॉल टूटी, ठनका गिरने से घर जला

घरों के छप्पर से लेकर एस्बेस्टस तक तेज हवा के झोंकों में उड़ गए

बीएनएम @ सीतामढ़ी

सीतामढ़ीः सीतामढ़ी जिले में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई है। कई जगहों पर घरों के छप्पर से लेकर एस्बेस्टस तक तेज हवा के झोंकों में उड़ गए, जिससे लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। पुपरी (जनकपुर रोड) स्थित रेलवे रैक पॉइंट के सामने वार्ड संख्या 11 में तेज आंधी के कारण रेलवे का बाउंड्री वॉल टूट गया, जिससे मुख्य रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। रास्ता बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों का स्कूल जाना प्रभावित हो गया है, वहीं कई लोग अपने काम और ड्यूटी पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे इलाके का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थानीय निवासियों ने नगर प्रशासन जनकपुर रोड पुपरी और रेलवे विभाग से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि रास्ता जल्द साफ नहीं कराया गया, तो समस्या और गंभीर हो सकती है। वहीं, चोरौत प्रखंड के पुरानडीह गांव में ठनका (आकाशीय बिजली) गिरने से एक घर में आग लग गई, जिसमें घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। परिजनों के अनुसार, घर में रखा करीब एक लाख रुपये नकद भी आग की भेंट चढ़ गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और मरम्मत कार्य जल्द शुरू कराया जाए, ताकि आम जनजीवन को सामान्य किया जा सके।

बंगाल में दिखेगी भाजपा की प्रचंड शक्तिः श्रेयसी सिंह

विधायाक ने किया भाजपा के जिला कार्यालय का भूमि पूजन

बीएनएम @बरहट(जमुई)

बरहट(जमुई)। भारतीय जनता पार्टी के संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बरहट प्रखंड के फुलवरिया में प्रस्तावित नए जिला कार्यालय का भूमि पूजन संपन्न हुआ। स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री श्रेयसी सिंह ने मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से ईंट रखकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस ऐतिहासिक पल के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा केसरी और पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।विधायक श्रेयसी सिंह ने कहा कि यह कार्यालय कार्यकर्ताओं के समर्पण का प्रतीक बनेगा और इससे भविष्य की सांगठनिक चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

इस दौरान उन्होंने बंगाल चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत का दावा किया और बिहार की कानून-व्यवस्था पर सरकार का बचाव किया। उन्होंने दिल्ली में बिहारी युवक की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए प्रवासियों की सुरक्षा की मांग की।जमुई के विकास पर चर्चा करते हुए विधायक ने वंदे भारत ट्रेन के ठहराव को बड़ी उपलब्धि बताया और बेंगलुरु जैसे महानगरों के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने की वकलत की। उन्होंने कहा कि विकास सामूहिक प्रयासों का परिणाम है और एनडीए परिवार क्षेत्र की उन्नति के लिए संकल्पित है।

योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से करें अधिकारी : डॉ. प्रेम कुमार

बीएनएम @गयाजी

विधानसभाध्यक्ष ने परिवहन निगम के कार्यों की समीक्षा की

गयाजी। जिला अतिथि गृह सभागार में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के कार्यों की समीक्षा के क्रम में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में राज्य की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित एवं जनोपयोगी बनाने पर विशेष जोर दिया। बैठक से पूर्व अध्यक्ष ने गया के पुरानी बस स्टैंड परिसर में स्थापित इलेक्ट्रिक बसों के चार्जिंग प्वाइंट का निरीक्षण किया। लगभग 5 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस अत्याधुनिक चार्जिंग स्टेशन को आगामी इलेक्ट्रिक बस संचालन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया गया। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य में शीघ्र ही कुल 400 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा, जिनमें से 150 बसें पटना एवं 50 बसें गया को आवंटित की गई हैं। गया में संचालित होने वाली ये बसें एक बार चार्ज होने पर लगभग 200 किलोमीटर तक चल सकेंगी। प्रारंभिक चरण में इनका संचालन मगध प्रमंडल में किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण में कमी आएगी तथा यात्रियों को पर्यावरण अनुकूल और सुगम सुलभ और किफायती,यात्रा सुविधा प्राप्त होगी। बैठक में यह भी बताया गया कि गया से विभिन्न राज्यों के लिए 22 नई बसों का परिचालन किया जाएगा, जिनमें 11 एसी एवं 11 नॉन-एसी बसें शामिल हैं। इन बसों के माध्यम से गया को देश के विभिन्न प्रमुख शहरों से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी, जिससे यात्रियों की आवाजाही और अधिक सुलभ,वैकल्पिक सुविधा होगी। महिलाओं की सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा को ध्यान में रखते हुए जिले में 8 "पिंक बसों" का संचालन प्रारंभ किया गया है। ये बसें सीएनजी आधारित हैं और विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए समर्पित हैं। साथ ही, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला चालकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जा रही है। अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ, वैकल्पिक,kifayti एवं आधुनिक परिवहन सेवा प्रदान करना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में संबंधित विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक डीटीओ कार्यालय से एम भीआई कार्यकर्ता राजनंदन गांधी, जितेंद्र कुमार, राजकुमार प्रसाद, वेद प्रकाश, विजय मांझी, अमित पासवान, पप्पू चंद्रवंशी, अमित लोहानी, देवानंद पासवान एवं बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएमसीएच में डिजिटल बदलाव की शुरुआत, पेपरलेस होगा अस्पताल

» मरीजों को लंबी कतारों और कागजी झंझट से राहत मिलेगी

बीएनएम @ पटना

पटनाः पटना स्थित पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अस्पताल प्रशासन ने इसे पूरी तरह 'पेपरलेस' करने का निर्णय लिया है, जिससे मरीजों को लंबी कतारों और कागजी झंझट से राहत मिलेगी। डिजिटलीकरण की शुरुआत मजबूत इंटरनेट कनेक्टिविटी से हो रही है। मई के दूसरे सप्ताह से अस्पताल के नए भवन में मरीजों और उनके परिजनों के लिए मुफ्त वाई-फाई सुविधा शुरू की जाएगी। BSNL करीब 40 लाख रुपये की लागत से हाई-स्पीड लीज लाइन बिछा रहा है, जिससे पूरे परिसर में निर्बाध इंटरनेट उपलब्ध होगा। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर मरीजों के रिकॉर्ड सिस्टम पर पड़ेगा। अब रजिस्ट्रेशन, जांच रिपोर्ट, दवाइयों का विवरण और डिस्चार्ज समरी जैसे सभी दस्तावेज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। इससे मरीजों को फाइलें संभालने या पुरानी पर्चियां ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डिजिटल सिस्टम लागू होने से रजिस्ट्रेशन काउंटरों पर भीड़ कम होगी और मरीजों को बार-बार अलग-अलग

विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वहीं डॉक्टरों के लिए मरीजों की पूरी मेडिकल हिस्ट्री एक क्लिक में उपलब्ध होगी, जिससे इलाज की प्रक्रिया तेज और प्रभावी बनेगी। इमरजेंसी में यह सिस्टम जीवनरक्षक साबित हो सकता है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, डिजिटल रिकॉर्ड से पारदर्शिता भी बढ़ेगी। दवाओं के वितरण और विभागीय कामकाज की निगरानी आसान हो जाएगी। भविष्य में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, मोबाइल ऐप और टेलीमेडिसिन जैसी सुविधाएं भी शुरू करने की योजना है। यदि यह मॉडल सफल रहता है, तो इसे पूरे बिहार के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी लागू किया जा सकता है, जिससे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

विधान परिषद उपचुनाव : एनडीए का शक्ति प्रदर्शन,सूर्य कुमार शर्मा ने भरा नामांकन

» मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ जदयू के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव और विजय चौधरी भी उपस्थित थे

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार में विधान परिषद उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। एनडीए ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए भाजपा उम्मीदवार सूर्य कुमार शर्मा का नामांकन दाखिल कराया। यह सीट मंगल पांडेय के विधायक बनने के बाद खाली हुई थी। नामांकन के दौरान राजनीतिक शक्ति का साफ प्रदर्शन देखने को मिला। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खुद इस मौके पर मौजूद रहे। उनके साथ जदयू के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव और विजय चौधरी भी उपस्थित थे। इसके अलावा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विधायक राजू तिवारी की मौजूदगी ने गठबंधन की मजबूती का संदेश दिया। नामांकन के बाद सभी नेताओं ने एक साथ हाथ उठाकर जीत का भरोसा जताया और कहा कि NDA पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में है। इस दौरान गठबंधन के भीतर तालमेल और रणनीतिक एकजुटता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की अंतिम तारीख 30 अप्रैल थी, जबकि 2 मई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 4 मई तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। इस उपचुनाव के लिए मतदान 12 मई को होगा और उसी दिन मतगणना भी पूरी कर ली जाएगी। प्रशासन ने चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं और सभी प्रक्रियाएं तय समय के अनुसार पूरी की जा रही हैं। राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी भी अब धीरे-धीरे तेज होने लगी है, जिससे आने वाले दिनों में चुनावी माहौल और गरमाने की संभावना है।

प्रधानाध्यापक की नियुक्ति पर उठे सवाल

बीएनएम @ बरहट (जमुई)

बरहट (जमुई)। कटौना पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय फुलवरिया एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। जन्मतिथि सुधार के नाम पर अवैध वसूली के आरोप में पूर्व प्रभारी आशुतोष कुमार के निलंबन का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि नए प्रभारी की नियुक्ति और छात्र उपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।सूत्रों के अनुसार, पूर्व प्रभारी के निलंबन के बाद विभाग ने वरिष्ठता की अनदेखी करते हुए जूनियर शिक्षक विकास कुमार राव को प्रभार सौंप दिया है। इस फैसले से विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों में भारी नाराजगी है और नियुक्ति प्रक्रिया में 'लेन-देन' की चर्चाएं भी गर्म हैं।यही नहीं, विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था पर भी फर्जीवाड़े के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि स्कूल में छात्रों की वास्तविक उपस्थिति बहुत कम है, जबकि रजिस्टर में डेढ़ सौ से अधिक छात्रों की हाजिरी दर्ज की जा रही है। इस संबंध में प्रभारी बीईओ सुधांशु कुमार ने कहा कि योग्य शिक्षक को ही प्रभार दिया गया है और हाजिरी में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं: संजय सरावगी

» राजद ने भी प्रेस वार्ता कर सरकार पर हमला बोला

बीएनएम @ पटना

रविंद्र भवन में आयोजित भामाशाह जयंती पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पटनाः पटना में कानून-व्यवस्था को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी ने कारोबारियों को सुरक्षा का भरोसा दिया, तो दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविंद्र भवन में आयोजित भामाशाह जयंती कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने अपराध के खिलाफ सख्त रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है और हाल में भागलपुर में हुई पुलिस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए साफ संदेश दिया कि अपराध छोड़ें या राज्य छोड़ें। उन्होंने कारोबारियों और उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि सरकार निवेश के लिए सुरक्षित माहौल बना रही है और सुरक्षा व सम्मान दोनों सुनिश्चित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, सांसद राम कृपाल यादव, पूर्व मंत्री मंगल पांडेय सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर, राजद ने प्रेस वार्ता कर सरकार पर हमला बोला। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है और सरकार समाज में विभाजन पैदा कर रही है। उन्होंने सुलतानगंज की घटना का जिक्र करते हुए इसे सत्ता पक्ष के नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई का नतीजा बताया। राजद ने चुनौती देते हुए कहा कि यदि प्रशासन में इच्छाशक्ति है तो खुलेआम हथियार लहराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस मुद्दे पर दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप से बिहार की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

चिंगारी पड़ते ही लपटें

सरकार ने उलझे हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उसने समस्या को महज कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं।

मणिपुर में हालात लगातार इतने सुलगे हुए हैं कि कोई भी चिंगारी पड़ते ही लपटें उठने लगती हैं। बिशुनपुर जिले में मंगलवार को बम फेंके जाने की घटना के बाद यही हुआ। बम एक आम परिवार के घर पर फेंका गया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। उसके बाद भड़की भीड़ ने जगह- जगह सुरक्षा ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया। उन पर हुई पुलिस कार्रवाई में दो और लोग मारे गए। पांच जिलों में कर्फ्यू लगाते हुए इंटरनेट बंद करना पड़ा। बम संभवतः कुकी उग्रवादियों ने फेंका, जिसका शिकार मैतेई परिवार बना। बाद में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए दोनों व्यक्ति मैतेई समुदाय के ही हैं। इन घटनाओं ने फिर जाहिर किया है कि मणिपुर में हालात लगातार असामान्य बने हुए हैं। बल्कि मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद से वहां मैतेई और कुकी समुदायों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती गई है। इससे पूरे राज्य में अविश्वास का माहौल है। केंद्र और राज्य सरकारों ने उलझते गए हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उन्होंने समस्या को महज कानून- व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी प्रशासन कामयाब नहीं हुआ है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं। वैसे जहां अशांति की जड़ में दो समुदायों के बीच जारी तनाव हो, वहां कानून- व्यवस्था संबंधी उपायों से सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती। इस मोर्चे पर सत्ताधारी दल या किसी अन्य राजनीतिक पक्ष ने जमीनी पहल नहीं की है। आवश्यकता दोनों में समुदायों के बीच संवाद बनाने और सद्भाव पैदा करने की है, ताकि उनमें एक- दूसरे के प्रति गहराते गए वैर भाव को दूर करने का रास्ता निकले। फिलहाल सूरत यह है कि कुकी संगठन अलग प्रदेश की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्हें नहीं लगता मैतेई बहुल मणिपुर में वे सुरक्षित रह पाएंगे। केंद्र ने मणिपुर में मुख्यमंत्री बदल कर नई सरकार में कुकी विधायकों को नुमाइंदगी देते हुए मसले का हल निकालने की कोशिश की। लेकिन उससे बात नहीं बनी है। अतः अब ऐसी जमीनी पहल की जरूरत है, जिसमें दोनों पक्षों का भरोसा और भागीदारी हो।

करुणा, शांति और आत्मजागरण के प्रकाशस्तंभ हैं गौतम बुद्ध

ललित गर्ग

(बुद्ध पूर्णिमा (1 मई 2026) पर विशेष)

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन केवल एक युग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के पथ को आलोकित करता है। गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन अद्वितीय है, क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण-तीनों घटनाएं घटित हुईं। नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे सिद्धार्थ ने बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और कुशीनगर में निर्वाण को प्राप्त हुए। इस दृष्टि से यह दिन केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता, जागरण और मुक्ति का प्रतीक है। आज विश्व के विभिन्न देशों-श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, कोरिया और भारत में इसे विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका में 'वेसाक' के रूप में दीपों और करुणा के उत्सव के रूप में यह दिन विशेष रूप से उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन-निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के लिये उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुसार जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।

गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था, वे एक राजकुमार थे, किन्तु जीवन के दुख-जरा, व्याधि और मृत्यु ने उनके अंतर्मन को विचलित कर दिया। 29 वर्ष की आयु में उन्होंने राजवैभव का त्याग कर सत्य की खोज का मार्ग अपनाया। कठोर तप और साधना के पश्चात उन्होंने पाया कि न तो भोग का मार्ग उचित है और न ही अत्यधिक तप का। उन्होंने "मध्यम मार्ग" का सिद्धांत दिया-संतुलन, सजगता और समत्व का मार्ग। गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया, जिसे "धर्मचक्र प्रवर्तन" कहा जाता है। उनके चार आर्य सत्य-दुःख, दुःख का कारण, दुःख का निरोध और दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपदा-मानव जीवन के गहन विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करते हैं। आज का विश्व युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में बुद्ध का करुणा एवं शांति का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने स्पष्ट कहा- "द्वेष से द्वेष कभी समाप्त नहीं होता, प्रेम से ही द्वेष समाप्त होता है।" यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक शांति का सूत्र है। यदि आज के राष्ट्र, समाज और व्यक्ति इस एक सिद्धांत को आत्मसात कर लें, तो अनेक संघर्षों का समाधान संभव हो सकता है।

महात्मा बुद्ध के जीवन का एक प्रेरक प्रसंग उनकी करुणा और क्षमाशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। एक व्यक्ति जो उन्हें निरंतर अपशब्द कहता था, जब दुर्घटनाग्रस्त होकर पीड़ा में पड़ा, तब बुद्ध स्वयं उसके पास पहुंचे, उसके घावों की सेवा की और अपने भिक्षुओं को उसकी देखभाल का निर्देश दिया। बुद्ध के इस अप्रत्याशित प्रेम और करुणा से उसका हृदय परिवर्तन हो गया और उसने अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची महानता प्रतिशोध में नहीं, बल्कि क्षमा और करुणा में निहित है और यही भाव मानवता को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति है।

बुद्ध ने केवल बाह्य हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि मन की हिंसा-ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को भी सबसे बड़ा शत्रु बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही सच्चा विजेता है। हजारों युद्ध जीतने वाला भी उस व्यक्ति के सामने छोटा है, जिसने अपने मन को जीत लिया। गौतम बुद्ध ने उस समय के समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने सभी मनुष्यों को समान बताया और कहा कि व्यक्ति की श्रेष्ठता जन्म से नहीं, कर्म से निर्धारित होती है। बुद्ध का संघ एक समतामूलक समाज का आदर्श उदाहरण था, जहाँ सभी वर्गों के लोग समान रूप से स्वीकार किए जाते थे। यही कारण है कि उनका आंदोलन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का भी आधार बना। बाद में भीमराव आम्बेडकर ने भी बुद्ध के इसी समतामूलक दृष्टिकोण को अपनाते हुए लाखों लोगों को सामाजिक सम्मान का मार्ग दिखाया। यह दर्शाता है कि बुद्ध का विचार केवल प्राचीन नहीं, बल्कि आधुनिक समाज के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है।

महान करुणामूर्ति बुद्ध का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश है-"अप्प दीपो भव" अर्थात् अपना दीपक स्वयं बनो। यह संदेश व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने, अपने भीतर प्रकाश खोजने और बाहरी सहारों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। बुद्ध का चिंतन हमें भीतर झांकने, मन को निर्मल करने और करुणा, मैत्री, मुदिता एवं उपेक्षा जैसे भावों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। वे बताते हैं कि शांति बाहर नहीं, हमारे अंतर्मन में ही निवास करती है और जब मन जाग्रत होता है, तब अहंकार, क्रोध और हिंसा स्वतः विलीन हो जाते हैं। आज के अशांत और तनावग्रस्त वातावरण में बुद्ध का यह संदेश जन-जन को प्रेम, सह-अस्तित्व और सहिष्णुता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज जब व्यक्ति बाहरी उपलब्धियों, तकनीकी साधनों और भौतिक सुखों में उलझा हुआ है, तब यह संदेश उसे भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। मानसिक शांति, संतुलन और आत्मसंतोष केवल बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि भीतर की सजगता और जागरूकता से प्राप्त होते हैं।

बुद्ध ने वर्तमान में जीने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अतीत की स्मृतियाँ और भविष्य की चिंताएँ मन को अशांत करती हैं। जो व्यक्ति वर्तमान क्षण में जीना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद प्राप्त करता है। आज के तनावग्रस्त जीवन में "माइंडफुलनेस" (सचेतनता) की जो अवधारणा विश्वभर में लोकप्रिय हो रही है, उसका मूल स्रोत बुद्ध की ही शिक्षाएँ हैं। यह दर्शाता है कि उनका दर्शन समय से परे है। आज मानवता जिन संकटों से जूझ रही है-पर्यावरणीय असंतुलन, युद्ध, सामाजिक विभाजन, मानसिक अवसाद, उनका समाधान केवल तकनीकी प्रगति से संभव नहीं है। इसके लिए मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। गौतम बुद्ध का करुणा, अहिंसा, समता और आत्मसंयम का संदेश इन सभी समस्याओं के समाधान की दिशा प्रदान करता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर करुणा का विकास करे, तो समाज में शांति और सौहार्द स्वतः स्थापित हो सकते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम बुद्ध के बताए मार्ग पर चल रहे हैं या केवल उनके उपदेशों का औपचारिक स्मरण कर रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बुद्ध को केवल पूजें नहीं, बल्कि उन्हें जियें। उनके विचारों को अपने व्यवहार में उतारें। करुणा, प्रेम, सहिष्णुता और समता को अपने जीवन का आधार बनाएं। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर एक "बुद्ध" को जागृत करेगा, तभी एक शांत, संतुलित और समतामूलक विश्व की स्थापना संभव होगी। यही बुद्ध पूर्णिमा का सच्चा संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया: मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

(1 मई विश्व मजदूर दिवस)

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें—हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं। आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं। ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है। महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा। समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अशांति से शांति की ओर यात्रा ही है बुद्ध का मार्ग

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 1 मई को है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया। सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा, ''यह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है?'' सारथी ने बताया, ''यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दुःखों का सामना करना ही पड़ता है।'' आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दुःख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल

व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है। सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दुःखी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को 'महात्मा बुद्ध' कहा गया। महात्मा बुद्ध मन की साधना को ही सबसे बड़ी साधना मानते थे। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। अपने बिजी दिन में कुछ समय अपने लिए निकालेंगे, उस समय में अपने पसंदीदा कार्य करेंगे। बच्चे आज खेल कूद में व्यस्त रहेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है। आपके मित्र आपसे मिलने आएगा, जिनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी। अगर आपने पहले निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। रिश्तेदार आपसे आर्थिक मदद मांग सकते है आप उसे निराश नहीं करेंगे। अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा। आप अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल-मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा करायेगी। आज बच्चे स्कूल का काम पूरा करने के लिए आप से मदद ले सकते हैं। आपके जीवनसाथी का प्यारा बर्ताव आपको खास होने का अनुभव कराएगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा भी काम ना करें, जिसमें आपको कॉन्फिडेंस न हो।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेवजह की उलझन लेने से बचने की जरूरत है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। अगर मन में बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें, आपको अच्छा सलूशन मिल सकता है। आप जीवनसाथी के साथ छोटी-छोटी बातों में नोंक-झोंक करने से बचें। पढ़ाई में अच्छे परिणाम के लिए आप अपने बड़ों का सहयोग लेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर दिखायी देंगे। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्राएं आपके लिये लाभकारी होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर रहेगी।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास करेंगे और अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके काम में लगायेंगे। छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलने के योग बने हुए है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य रिश्ते में मधुरता लेन के लिए आप कुछ नया करेंगे। इस दौरान आप नेगेटिव विचारों से बचें। आज आप बिजनेस मीटिंग अटेंड करने जा सकते हैं। जिसमें आपको सफलता मिलेगी। आपकी बातों को महत्व दिया जाएगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। समाज में आपके काम को सराहा जायेगा। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे, परिवार में हंसी ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा। दांपत्य जीवन शानदार रहेगा, जीवनसाथी आज आपको प्रसन्न होने की वजह देंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में स्थिति अच्छी रहने वाली है। लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें, आपके लिए अच्छा रहेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मोहम्मद कैफ ने की भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी की मांग

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए आईपीएल के इस सत्र में तेज गेंदबाज भुवनेश्वनर कुमार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए अब उनकी भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये। कैफ के अनुसार भुवनेश्वर इस बार सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के भी दावेदार हैं और उनकी गेंदबाजी काफी प्रभावी रही है। ऐसे में उनके नाम पर फिर से विचार होना चाहिये। उन्होंने का कि इस सत्र में भूवी ने अपनी स्विंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ से विरोधी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया है। उन्होंने अलग-अलग हालातें में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 3 ओवर में ही 5 रन देकर 3 विकेट लिए थे। कैफ

का कहना है कि जब भुवनेश्वर शुरुआत में आये थे तभी ऐसी गेंदबाजी करते थे। कैफ ने कहाः जब वह 17 साल के थे, तब मैंने उनकी स्विंग और कंट्रोल देखकर उन्हें टीम में शामिल करने की मांग की थी। रणजी फाइनल में उन्होंने सचिन तेंदुलकर का विकेट लिया था। कैफ ने साथ ही कहाः आज भी 36 साल की उम्र में बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं और दुनिया के टॉप बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। इसलिए उनकी टीम इंडिया में वापसी होनी चाहिये।जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे साफ है कि उम्र एक नंबर है और उसका प्रदर्शन से लेन-देना नहीं है। इसके अलावा जिस प्रकार वह दबाव में शांत रहते हुए योजनाओं को अमल में लाते है वह सबसे अहम बात है। ऐसे में उनके वर्तमान फार्म को देखते हुए भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। इससे टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी।

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

एजेंसी, मुम्बई

राजस्थान रायल्स की टीम अब एक मई शुक्रवार को दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है। अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है। वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमरार और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं। इसके अलावा जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह सहित कई गेंदबाज भी वैभव से बच नहीं पाये हैं। वैभव ने इस सत्र में साकिब हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। ये लीग का तीसरा सबसे तेज शतक रहा है। उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं क्रिस गेल के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने 30 गेंद में 100 रन बनाए थे। वैभव टी20 में सबसे कम उम्र में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

विनेश फोगाट अगले माह राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट से वापसी करेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला पहलवान विनेश फोगाट अब अगले माह 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में खेलती नजर आयेंगी। इसी के साथ ही 20 महीनों के बाद वह किसी प्रतियोगिता में खेलती दिखेंगी। विनेश ने इस रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए नामंकन करा लिया है। वहीं उन्होंने इससे पहले नामांकन में आने वाली बाधा के बाद आरोप लगाया था कि महासंघ उनकी वापसी नहीं चाहता है पर बाद में उनका नामांकन हो गया। वहीं महासंघ का कहना था कि विनेश के आरोप सही नहीं थे। पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण विनेश ही

नहीं, कई अन्य पहलवानों को भी नामांकन में परेशानी आई थी। जिससे बाद में ठीक कर लिया गया। वहीं इसके बाद विनेश ने कहा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा नामांकन आज सुबह पूरा हो गया। सभी के समर्थन के लिए आभार । 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं। गौरतलब है किक पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण खिताबी मुकाबले से बाहर किये जाने के बाद वीनेश हताश होकर कुश्ती से संन्यास ले लिया था पर इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने संन्यास से वापसी का फैसला किया।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते : गांगुली

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी । पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है।

गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है। वहीं दूसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है और तीसरे पर राजस्थान रॉयल्स वह चौथे पर सनराइजर्स हैदराबाद है। गुजरात टाइटन्स पांचवें स्थान पर है।

रियल के स्टार खिलाड़ी एंबापे चोटिल हुए, लीग में आगे खेलना संदिग्ध

एजेंसी, मैड्रिड

रियल मैड्रिड की ओर से ला लिगा फुटबॉल में खेल रहे फ्रांस के स्टार फुटबॉलर कायलान एंबापे चोटिल हो गये हैं ऐसे में उनका इस लीग में आगे खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। अगर एंबापे बाहर होते हैं तो ये रियल के लिए एक बड़ा झटका होगा। 10 मई हो बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में भी वह शायद ही खेल पाये। यहां तक कि जून में होने होने वाले विश्कप में भी उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। इस स्टार खिलाड़ी को रियल बेटिस

के खिलाफ मैच में मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उसी कारण वह मैच समाप्त होने से पहले ही मैदान से बाहर हो गये थे। क्लब के अनुसार, एम्बाप्पे के बाएं पैर की सेमीटेंडिनोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है। हालांकि, उनकी वापसी को लेकर कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई गई है। रियल मैड्रिड ने कहा है कि खिलाड़ी की रिकवरी पर नजर रखी जा रही है और उसी के आधार पर फैसला लिया जाएगा। एम्बाप्पे ने इस सत्र में अब तक 24 गोल किये हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका होगा।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में आदिसॉफ्ट टेक की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर आदिसॉफ्ट टेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 172 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.19 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 205 रुपये के स्तर पर ही। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 215.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 43.25 रुपये प्रति शेयर यानी 25.15 प्रतिशत का फायदा हो गया।

आदिसॉफ्ट टेक का 74.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 27 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 77.45

गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 98.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 120.16 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43.08 लाख नए शेयर जारी किए गए थे। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई फैक्ट्री यूनिट लगाने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

आदिसॉफ्ट टेक की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 11.76 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 16.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी को 3.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 76.15 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 104.14 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 133.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी को 55.71 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 10.08 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 18.13 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 28.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 19.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी के घटे भाव

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोन और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। सोना आज 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी लगातार दो दिन के ठहराव के बाद आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,50,430 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,37,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.34 प्रतिशत गिर कर 4,558.99 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है।

एचयूएल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 21 फीसदी बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। एचयूएल का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21 फीसदी बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 2,475 करोड़ रुपये रहा था।

एचयूएल ने गुरुवार को आय का विवरण देते बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादों की बिक्री से प्राप्त राजस्व 8.13 फीसदी बढ़कर 16,172 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल खर्च 7.2 फीसदी बढ़कर 16,615 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, कंपनी की अन्य आय सहित कुल आय 5.01 फीसदी बढ़कर 16,580 करोड़ रुपये रही, जो 12 तिमाहियों में उसकी सबसे तेज वृद्धि है। एचयूएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड

का शुद्ध लाभ 15,059 करोड़ रुपये रहा है, जिसमें 'न्यूट्रिशनलैब' के विनिवेश से सहायता मिली। इस दौरान कंपनी की कुल आय 4.6 फीसदी बढ़कर 65,219 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक प्रिया नायर ने कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 में अनुकूल व्यापक आर्थिक नीतियों के कारण मांग का माहौल बेहतर रहा।''

उन्होंने बताया कि कंपनी ने वृद्धि को तेज करने के लिए खंड को मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, मांग सृजन क्षमताओं को सुदृढ़ करने और संगठन को सरल बनाने जैसे कदम उठाए हैं। नायर ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण जिंसों और मुद्रा में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''हम अनुशासित बचत, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला और संतुलित मूल्य निर्धारण के जरिए इन चुनौतियों से निपट रहे हैं।'' नायर ने कहा कि ''भविष्य में हमारी मजबूत ब्रांड स्थिति, वित्तीय आधार और परिचालन दक्षता हमें इस अस्थिर माहौल में आगे बढ़ने में मदद करेगी।'' उल्लेखनीय है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी है। यह 90 वर्षों से अधिक समय से भारतीय उपभोक्ताओं की सेवा कर रही है। ये कंपनी देश के 10 में से 9 घरों तक अपने कम-से-कम एक या अधिक ब्रांड को पहुंचाती है।

रुपये की कमजोरी लगातार जारी, रिकॉर्ड लो तक लुढ़की भारतीय मुद्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय मुद्रा रुपये की कमजोरी लगातार बढ़ती जा रही है। आज भारतीय मुद्रा ने 49 पैसे की कमजोरी के साथ 95.34 रुपये के रिकॉर्ड लो लेवल तक गोता लगाया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमत में तेजी, महीने का आखिरी दिन होने की वजह से इंपोर्टर्स की डॉलर डिमांड बढ़ने और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में अंधाधुध तरीके से बिकवाली कर अपना पैसा निकालने की वजह से रुपये पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी दबाव की वजह से इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में

आज एक बार फिर 95 रुपये के स्तर से नीचे चली गई। 30 मार्च के बाद पहली बार भारतीय मुद्रा की कीमत 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गई है।

सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 45 पैसे की कमजोरी के साथ 95.30 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 94.85 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। आज रुपये ने कारोबार की शुरुआत भी 95 रुपये के स्तर को पार कर ही की थी। शुरुआत के बाद से ही भारतीय मुद्रा लगातार 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर के ऊपर बनी हुई है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 17 पैसे यानी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 95.02 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति लगातार कमजोरी होती चली गई।

फ्यूचर मार्केट में भी कच्चे तेल ने लगाई छलांग, ब्रेंट क्रूड का जून कॉन्ट्रैक्ट 120 डॉलर के करीब पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण दुनियाभर में कच्चे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ न्यूक्लियर डील होने तक होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी जारी रहेगी। ट्रंप के इस बयान के बाद वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर मार्केट में 107 डॉलर के ऊपर पहुंच गया। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज में ब्रेंट क्रूड का जून कॉन्ट्रैक्ट 1.50 प्रतिशत की उछाल के साथ 119.80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निमेक्स पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का जून कॉन्ट्रैक्ट 0.36 प्रतिशत बढ़ कर 107.26 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कच्चे तेल के हाजिर सौदे के मामले में भी कीमत के मोर्चे पर राहत मिलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। बुधवार को ब्रेंट क्रूड 115.61 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर तक पहंचने के बाद 110.44 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर सेटल हुआ था। आज ब्रेंट ने 0.01 डॉलर की सांकेतिक कमजोरी के साथ 110.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी देर में ही 114.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया।

कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ी चुनौती, बढ़ सकती है महंगाई, प्रभावित हो सकती है ग्रोथ रेट

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी से भारत की अर्थव्यवस्था के बुरी तरह से प्रभावित होने का खतरा बन गया है। भारत अपनी जरूरत का करीब 88 प्रतिशत कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार से आयात करता है। ऐसी स्थिति में कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल ने देश के खजाने पर दबाव की स्थिति बना दी है, जिससे अर्थव्यवस्था के तमाम संकेतक अब प्रभावित होने लगे हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी का निगेटिव असर अब दिखने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी से ऑयल

मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री में 22 से 28 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। ये स्थिति भी तब है, जब केंद्र सरकार ने आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए एक महीने पहले ही पेट्रोल पर लगने वाली 13 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी को घटा कर तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल पर लगने वाली 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी को शून्य कर दिया था। एक्साइज ड्यूटी घटाने के बाद भी कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी नहीं होने से आम जनता को तो राहत मिला है, लेकिन ऑयल कंपनियों का घाटा बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही क्रूड इंपोर्ट बिल भी बढ़ता जा रहा है। क्रूड के इंपोर्ट बिल में बढ़ोतरी होने से भारत की अर्थव्यवस्था पर भी निगेटिव असर पड़ने की संभावना बन गई है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत वशिष्ठ का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हुई बढ़ोतरी से भारत का करंट अकाउंट डेफिसिट काफी अधिक बढ़ सकता है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है।

परिणीति चोपड़ा का पुराना वीडियो खूब हो रहा वायरल

हाल ही में राघव चड्ढा राजनीतिक गलियारों में उस वक्त सुर्खियों में आ गए, जब वे आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। उनके साथ ही स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी जैसे कई अन्य प्रमुख चेहरे भी भाजपा में शामिल हुए हैं। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, परिणीति चोपड़ा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह खुले तौर पर यह कहती हुई दिख रही हैं कि वह कभी किसी राजनेता से शादी नहीं करेंगी।

यह वायरल वीडियो एक फिल्म के प्रमोशन के दौरान का है, जब परिणीति चोपड़ा से उनके आदर्श जीवनसाथी और शादी की पसंद के बारे में पूछा गया था। उस समय, अभिनेत्री ने एक हॉलीवुड एक्टर का नाम लिया था, जिसे वह अपने पार्टनर के रूप में देखती थीं। जब उनसे विशेष रूप से यह सवाल किया गया कि क्या वह किसी राजनेता से शादी करेंगी, तो परिणीति ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, समस्या ये है कि मैं किसी भी पॉलिटिशयन से शादी नहीं करना चाहती। बहुत सारे अच्छे ऑप्शन हैं, लेकिन मैं कभी किसी पॉलिटिशियन से शादी नहीं करना चाहती। उनका यह बयान अब राघव चड्ढा के भाजपा में शामिल होने के बाद एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि उनके जीवन की वर्तमान वास्तविकता उनके पुराने बयान से बिल्कुल उलट है। उसी इंटरव्यू में, परिणीति चोपड़ा ने अपने सपनों के पार्टनर के बारे में भी विस्तार से बताया था। उन्होंने कहा था कि उनके आइडल पार्टनर को फनी होना चाहिए, अच्छी खुशबू आनी चाहिए और मुझे रिस्पेक्ट करना चाहिए। परिणीति को यात्रा करना, पानी, समुंदर और डाइविंग जैसी चीजें बेहद पसंद हैं, और वह चाहती थीं कि उनका पार्टनर भी इन रुचियों को साझा करे। उन्होंने यह भी कहा था कि वह ऐसे पुरुषों को पसंद करती हैं जिनकी खुद की पहचान हो और जिन्होंने अपनी जिंदगी खुद के दम पर बनाई हो। यह सभी गुण उनके पति राघव चड्ढा में पाए जाते हैं, जिन्होंने अपनी राजनीतिक पहचान खुद बनाई है। गौरतलब है कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एक साथ पढ़ाई की थी, जहाँ से उनकी दोस्ती परवान चढ़ी। कई बार डेट पर जाने के बाद, दोनों ने सितंबर 2023 में राजस्थान के उदयपुर स्थित लीला पैलेस में एक भव्य समारोह में शादी की। उनकी शादी का हर पल बेहद खास और खूबसूरत था, जिसमें परिणीति ने अपनी शादी में खुद के गाए हुए गाने पर वेडिंग एंट्री की थी, जो उन्होंने विशेष रूप से राघव के लिए तैयार किया था। पिछले साल अक्टूबर 2025 में इस खूबसूरत जोड़े ने अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने नीर रखा है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुए नेता राघव चड्ढा इस समय देश के सबसे चर्चित दंपतियों में से एक हैं। अपनी प्यारी केमिस्ट्री और सार्वजनिक आयोजनों में लगातार साथ नज़र आने के कारण यह जोड़ा लोगों का दिल जीत रहा है।

टाइगर श्रॉफ ने जोरदार वर्कआउट सेशन की झलक की साझा

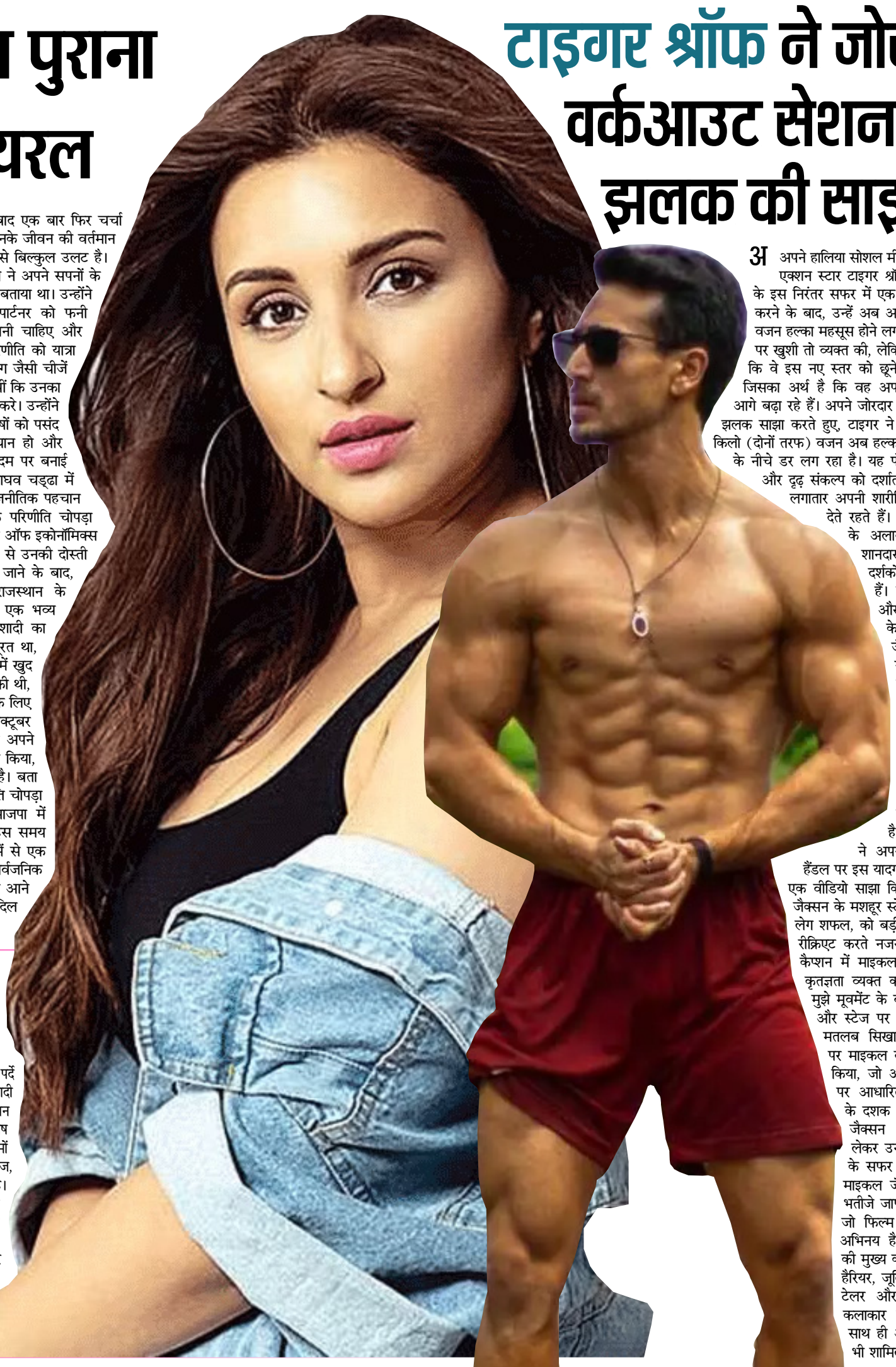

अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ ने बताया कि फिटनेस के इस निरंतर सफर में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल करने के बाद, उन्हें अब अपने दोनों तरफ 60 किलो वजन हल्का महसूस होने लगा है। उन्होंने इस उपलब्धि पर खुशी तो व्यक्त की, लेकिन साथ ही स्वीकार किया कि वे इस नए स्तर को छूने से थोड़े डरे हुए भी हैं, जिसका अर्थ है कि वह अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। अपने जोरदार वर्कआउट सेशन की एक झलक साझा करते हुए, टाइगर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 60 किलो (दोनों तरफ) वजन अब हल्का लगने लगा है इस वजन के नीचे डर लग रहा है। यह पोस्ट उनके अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जिसके दम पर वह लगातार अपनी शारीरिक क्षमताओं को चुनौती देते रहते हैं। अपनी बेमिसाल फिटनेस के अलावा, टाइगर श्रॉफ अपने शानदार डांस मूव्स के लिए भी दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। हाल ही में, उन्होंने एक और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिग्गज माइकल जैक्सन को उनके मशहूर गाने बिली जीन पर एक दमदार परफॉर्मेंस देकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बाघी एक्टर ने इस मौके पर किंग ऑफ पॉप को अपना गुरु बताया और दावा किया कि माइकल जैक्सन ने ही उन्हें डांस की हर वो कला सिखाई है जो वह जानते हैं। टाइगर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इस यादगार गाने पर डांस करते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह माइकल जैक्सन के मशहूर स्टेप्स, जैसे मूनवॉकिंग और लेग शफल, को बड़ी सहजता और महारत से रीक्रिएट करते नजर आए। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में माइकल जैक्सन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लिखा, ''उन्होंने मुझे मूवमेंट के बारे में, प्रेजेंस के बारे में, और स्टेज पर अपना सब कुछ देने का मतलब सिखाया। टाइगर ने इंस्टाग्राम पर माइकल बायोपिक पेज को भी टैग किया, जो अमेरिकी गायक के जीवन पर आधारित है। यह बायोपिक 60 के दशक में जैक्सन 5 में माइकल जैक्सन के शुरुआती समय से लेकर उनके अद्वितीय करियर तक के सफर को दर्शाती है। फिल्म में माइकल जैक्सन का किरदार उनके भतीजे जाफर जैक्सन ने निभाया है, जो फिल्म जगत में उनका पहला अभिनय है। इस जीवनीपरक ड्रामा की मुख्य कास्ट में निया लॉन्ग, लौरा हैरियर, जूलियानो क्रू वाल्डी, माइल्स टेलर और कोलमैन डोमिंगो जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं, साथ ही अन्य प्रतिभावान कलाकार भी शामिल हैं।

कपिल शर्मा एयर नीतू कपूर की फिल्म दादी की शादी का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर एक बार फिर फिल्मी पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी फिल्म दादी की शादी का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसमें कॉमेडियन कपिल शर्मा भी अहम किरदार में नजर आए हैं। निर्देशन आशीष आर. मोहन ने किया है, जो पहले खिलाड़ी 786 जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म का निर्माण आर-टेक स्टूडियोज, बीइंग-यू स्टूडियोज, शिमला टॉकीज के बैनर तले किया गया है। ट्रेलर दिग्गज अभिनेत्री के इर्द-गिर्द घूमता है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक दादी उम्र की सीमाओं को तोड़ते हुए दोबारा शादी करने का फैसला लेती है, क्योंकि उसे विधवा होकर नहीं, बल्कि सुहागन बनकर दुनिया से जाना है। इस फैसले का परिवार पर क्या-क्या असर पड़ता है, यही फिल्म दिखाती है। नीतू और ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी भी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कामकाजी महिलाएं गर्मियों के दौरान इन 5 ब्यूटी टिप्स को अपनाएं लगेंगी खूबसूरत

गर्मियों में कामकाजी महिलाओं के लिए मेकअप और त्वचा की देखभाल को संभालना मुश्किल हो सकता है। इस मौसम में पसीना और उमस त्वचा को चिपचिपा बना देती है, जिससे मेकअप भी खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और असरदार ब्यूटी टिप्स बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में भी ताजगी और खूबसूरती के साथ ऑफिस जा सकती हैं और खुद को तरोताजा महसूस कर सकती हैं।

नियमित रूप से त्वचा को साफ करें : गर्मियों में त्वचा पर मृत कोशिकाएं और गंदगी जमा हो जाती है, जिससे त्वचा बेजान और थकी-थकी सी लगती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से त्वचा की सफाई करना जरूरी है। हफ्ते में 2-3 बार हल्के हाथों से स्क्रब करें, ताकि मृत त्वचा हट जाए और त्वचा को नई ऊर्जा मिले। इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस होगी और मेकअप भी लंबे समय तक टिकेगा।

हल्की क्रीम लगाएं : गर्मियों में भारी क्रीम का इस्तेमाल करने से त्वचा चिपचिपी लग सकती है, जिससे बचने के लिए हल्की जेल आधारित क्रीम लगाएं। यह त्वचा को नमी प्रदान करेगी और चिपचिपाहट भी नहीं होगी। जेल आधारित क्रीम जल्दी अवशोषित हो जाती है और त्वचा को ताजगी भरी महसूस कराती है। इसके अलावा यह पसीने को भी कम करती है और त्वचा को ठंडक देती है, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगी।

धूप से बचाव वाली क्रीम इस्तेमाल करें : चाहे बादल हों या धूप, रोजाना धूप से बचाव की क्रीम लगाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपकी त्वचा को हानिकारक किरणों से बचाती है। इसे लगाने से पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह साफ करें और फिर अपने चेहरे, गर्दन और हाथों पर अच्छी तरह लगाएं। इसे हर 2-3 घंटे के बाद दोबारा लगाएं, खासकर अगर आप बाहर हैं तो। इससे आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी और झुलसने का खतरा कम होगा।

हल्के रंगों की लिपस्टिक का चयन करें : गर्मियों में भारी और गहरे रंग की लिपस्टिक लगाने से होंठ चिपचिपे लग सकते हैं। इसलिए, गुलाबी, पीच या न्यूड जैसे हल्के रंग चुनें। ये रंग न केवल आपको ताजगी भरी लुक देंगे, बल्कि पूरे दिन आरामदायक भी महसूस होगा। इसके अलावा हल्के रंग की लिपस्टिक आपके चेहरे पर एक प्राकृतिक चमक भी लाएगी और आपको हर समय खूबसूरत महसूस करवाएगी। इस तरह आप गर्मियों में भी स्टाइलिश और आरामदायक दिख सकती हैं।

बालों का साधारण स्टाइल अपनाएं : गर्मियों में बालों को संभालना मुश्किल हो सकता है, इसलिए उन्हें साधारण रखें। पोनीटेल, जूड़ा या फिर चोटी जैसे हेयरस्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये न केवल स्टाइलिश दिखते हैं, बल्कि पसीने से भी बालों की सुरक्षा करते हैं और उन्हें उलझने से बचाते हैं। इन ब्यूटी टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी ताजगी और खूबसूरती के साथ ऑफिस जा सकती हैं और खुद को तरोताजा महसूस कर सकती हैं।

खलनायक 2 के बाद अब ताल 2 की स्क्रिप्ट भी तैयार

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म खलनायक के सीक्वल खलनायक 2 को लेकर चर्चाएं गर्म हैं, वहीं अब साल 1999 की म्यूजिकल सुपरहिट फिल्म ताल के सीक्वल को लेकर भी बड़ा अपडेट मिला है। हाल ही में फिल्म के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने पुष्टि की है कि ताल 2 की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और इस परियोजना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यह खबर सिर्फ पुराने फैंस के लिए ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी (जेन-जी) के दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है, जो इस क्लासिक को फिर से बड़े पर्दे पर देखने की मांग कर रहे हैं। साल 1999 में रिलीज हुई ताल हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसने संगीत, रोमांस और विजुअल स्टाइल के मामले में एक नया मानक स्थापित किया था। सुभाष घई के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं, और इसका संगीत आज भी लोगों की जुबान पर है। हाल ही में फिल्ममेकर सुभाष घई ने बताया कि पिछले 15 सालों से उनसे ताल के सीक्वल को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ताल की ऊर्जा आज भी इतनी मजबूत है कि युवा दर्शक भी इसे पसंद करते हैं और इसके नए भाग की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, सुभाष घई ने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म का विषय जितना आसान लगता है, उसे सिनेमाई पर्दे पर उतारना उतना ही मुश्किल है। उनका मानना है कि ताल 2 बनाने के लिए प्योरिटी यानी शुद्धता सबसे महत्वपूर्ण शर्त है, जो पहली फिल्म की आत्मा थी। सुभाष घई ने पहली फिल्म की सफलता का एक बड़ा कारण उसकी सादगी और फ्रेशनेस को बताया। उस समय ऐश्वर्या राय बच्चन और अक्षय खन्ना इंडस्ट्री में अपेक्षाकृत नए चेहरे थे, जिनकी वजह से उनके किरदारों में एक मासूमियत और ताजगी दिखाई दी। वहीं, अनिल कपूर पहले से ही एक स्थापित स्टार थे और फिल्म में उनका वही स्टारडम दिखाया गया था, जो कहानी के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। सुभाष घई ने कास्टिंग को लेकर भी एक अहम बात कही। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी कुछ फिल्में जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं, उसका एक बड़ा कारण गलत कास्टिंग रही थी। ऐसे में ताल 2 के लिए सही कलाकारों का चयन करना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी, जो कहानी के किरदारों में जान फूंक सकें। उन्होंने कहा कि किरदारों की मांग के अनुसार नए चेहरों को चुना जाएगा, ताकि कहानी में वही ताजगी बनी रहे जो पहली फिल्म की पहचान थी। कुछ दिनों पहले सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा था – शांति या जुनून? लौकिक या कॉस्मेटिक? आंतरिक या बाहरी? क्या हम आज ताल 2 बना सकते हैं? यह सवाल मेरे मन में है। उन्होंने यह भी जिक्र किया था कि ताल एक ऐसी फिल्म थी, जिसमें न कोई विलेन था, न ही कोई अनावश्यक सेक्स या हिंसा।

वजन घटाने के लिए डाइट में शामिल करें ये भारतीय खाद्य पदार्थ, मिलेगा फायदा

वजन घटाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते, फिर भी सफल नहीं हो पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सिर्फ व्यायाम और डाइट पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ ही सही खान-पान का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसके लिए डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जो शरीर की ऊर्जा बढ़ाने से लेकर भूख कम करने जैसे कई लाभ प्रदान कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि वजन घटाने के लिए क्या-क्या खान-पान करना चाहिए।

दही एक ऐसा दूध से बना उत्पाद है, जो प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर की ऊर्जा को बढ़ावा देने और पेट की चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा दही में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद कर सकते हैं। वजन घटाने के लिए दही में कुछ चम्मच ओट्स मिलाकर खाएं। यह सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

हरी चाय में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका सेवन शरीर की ऊर्जा को तेज करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। अगर आप रोजाना एक कप हरी चाय का सेवन करते हैं, तो इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद मिल सकती है। यह सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

तिल सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि ये कई जरूरी विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत होते हैं। यह पाचन तंत्र को सुधारने में भी मदद करता है। इसके अलावा तिल में ऐसे फैटी एसिड होते हैं, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ावा देने और भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। तिल का सेवन सेहत के लिए लाभदायक होता है।

बादाम में विटामिन-ई के साथ-साथ फाइबर और प्रोटीन होते हैं। ये गुण बादाम को वजन घटाने के लिए एक अच्छा विकल्प बनाते हैं। बादाम का सेवन भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है और वजन घटाने के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान कर सकता है। इसके अलावा बादाम का सेवन शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकता है।

Hearing Adjourned in Alleged Bank Fraud Case Linked to Anil Ambani

New Delhi. The Supreme Court has adjourned the hearing on a petition seeking an investigation into an alleged bank fraud case involving thousands of crores of rupees, linked to Reliance Communications and its former promoter, Anil Ambani. A bench headed by Chief Justice Surya Kant ordered the adjournment of the hearing. During the hearing today, Solicitor General Tushar Mehta, appearing on behalf of the Central Bureau of Investigation (CBI) and the Enforcement Directorate (ED), stated that fresh status reports have been filed by both investigative agencies. Responding to this, Advocate Prashant Bhushan, appearing for the petitioner, pointed out that

the "kingpin" identified in the status report has not yet been arrested. He noted that while Anil Ambani has been identified as the kingpin, he has not been taken into custody. In response, Mehta stated, "We cannot answer why no one has been arrested; we have simply filed the status report." During the proceedings, Senior Advocate Kapil Sibal, appearing for Anil Ambani, requested to be granted half an hour to present his arguments. He submitted, "I need to place on record certain facts that have not yet been brought to the notice of any court." The Court subsequently assured him that his submissions would be heard before taking cognizance of the status reports. The Chief Justice remarked that the Court had ordered the investigation precisely to ensure transparency and fairness. Earlier, on March 23, the Court had reprimanded the CBI and the ED over delays in the investigation. The Court observed that a visible hesitation was apparent in the functioning of the investigative agencies, emphasizing that the probe must be conducted in a transparent and impartial manner, and completed within a stipulated timeframe. At that time, Solicitor General Tushar Mehta had informed the Court that the ED had constituted a Special Investigation Team (SIT) to probe the matter, while the CBI had appointed auditors to examine the financial transactions. In response, Prashant Bhushan, appearing on behalf of the petitioner, stated that despite allegations of fraud and misappropriation of funds surfacing in the SEBI report, no concrete action has been taken. To this, Mehta replied that four arrests have, in fact, been made so far. Earlier, on February 4, the Supreme Court had directed investigative agencies to ensure that Anil Ambani does not leave the country. Anil Ambani had given an assurance to the Court that he would not travel abroad without the Court's permission. On January 23, while issuing a notice to Anil Ambani, the Supreme Court had directed the CBI and the ED to file a status report. During the hearing, Prashant Bhushan pointed out that the FIR was registered in 2025, whereas the fraudulent activities had been ongoing since 2007–08. The petition alleges a conspiracy to misappropriate public funds and claims that companies belonging to Anil Ambani were involved in this misappropriation.

'Public Hearing Camps' to be Held Every Saturday for Ration Card-Related Grievances: Sirsa

New Delhi. Under the guidance of Manjinder Singh Sirsa, Minister of the Department of Food and Supplies, the department is launching 'Public Hearing Camps' across all district offices in Delhi starting May 2nd. These camps will be held every Saturday from 9:00 AM to 11:00 AM, providing a platform where citizens can directly present their ration card-related issues—such as applying for a new card, making corrections, and addressing matters concerning eligibility and distribution—to officials and obtain on-the-spot resolutions. This information was shared today through an official press release. No eligible family will be deprived of their rightful entitlements." The Department of Food Supplies has deployed special teams to ensure the successful operation of these camps; these teams will conduct on-the-spot verifications and facilitate immediate resolutions. All received grievances will be tracked digitally to ensure timely follow-ups and maintain accountability. This initiative aligns with Prime Minister Narendra Modi's vision of extending food security to every needy individual through a technology-driven and corruption-free Public Distribution System (PDS). For information regarding district offices and available services, citizens may visit the official portal or contact the toll-free numbers 1967 or 14445.

Brief news

100th Staging of 'Sangh Ganga Ke Teen Bhagirath' at Delhi's Keshav Kunj Proves Inspiring

New Delhi. To mark the centenary year of the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS), a Hindi play titled 'Sangh Ganga Ke Teen Bhagirath' (The Three Bhagiraths of the Sangh Ganga) was staged at the Ashok Singhal Auditorium within the Sangh's Delhi headquarters, 'Keshav Kunj'. Present on this occasion were Delhi's Minister for Art, Culture, and Languages, Kapil Mishra, and the Sangh's All-India Publicity Chief, Sunil Ambekar. The play 'Sangh Ganga Ke Teen Bhagirath' is based on the lives and contributions of the Sangh's first three *Sarsanghchalaks* (Chiefs): Dr. Keshav Baliram Hedgewar, Madhav Sadashiv Golwalkar (Guruji), and Balasaheb Deoras. Through this theatrical production, the Sangh's century-long journey has been vividly portrayed. Staged on Wednesday evening to commemorate the completion of the Sangh's 100 years, this performance marked the 100th staging of the play. Speaking on the occasion, Minister Kapil Mishra stated, "Presentations such as 'Sangh Ganga Ke Teen Bhagirath' serve to strengthen the spirit of patriotism, organizational unity, discipline, and dedication. Much like the River Ganga, this ideological and cultural stream flows ceaselessly, and it is through this very current that society and the nation receive a new direction. It is our collective responsibility to ensure that this work of nation-building—carried forward through plays, theatrical performances, literature, and other cultural art forms—continues to advance unceasingly." The play is written by Shridhar Gadge and directed by Sanjay Pendse. This theatrical work brings to life the stories of those great personalities who, even amidst adverse circumstances, prioritized national interest above all else to build a strong, disciplined, and expansive organization. As part of the Sangh's centenary celebrations, numerous stagings of this play are being organized across the country. The objective of the play is to effectively convey the values of nationalism, self-discipline, social harmony, and the glorious history of the Sangh to the new generation. The event was attended by a large gathering of dignitaries, social activists, litterateurs, artists, and citizens. To mark the completion of 100 years of the Sangh, this play is being staged across the entire country starting April 30, 2025. Prior to this, the play has already been staged at various locations in Delhi.

Lieutenant Governor Attends Annual Ceremony of Mata Sundari College for Women

New Delhi. Delhi's Lieutenant Governor, Taranjit Singh Sandhu, attended the 59th Annual Day celebrations of Mata Sundari College for Women, a constituent college of the University of Delhi, on Thursday. Present on this occasion were Delhi's Environment Minister, Manjinder Singh Sirsa, and Rajya Sabha MP Vikramjit Singh Sahney. In a post on 'X', the Lieutenant Governor stated that the country is transitioning from women's development to women-led development—a vision clearly articulated by Prime Minister Narendra Modi. Institutions such as this play a pivotal role in realizing this women-led perspective. The college imparts education with integrity and nurtures confident women who will go on to lead the progress of our nation. He extended his best wishes to the dedicated faculty and talented students. In a post on 'X', Sirsa remarked that the life of Mata Sundari Devi Ji was a symbol of strength, courage, and service; through quality education, the college is carrying forward her legacy by empowering women. Witnessing the achievements of the students and the dedication of the faculty was a moment of great pride. Minister Sirsa added that the release of the college magazine and the distribution of scholarships reflect the robust academic culture that the institution has cultivated over the years.

President Extends Greetings to the Nation on Buddha Purnima

New Delhi. On Thursday, on the eve of Buddha Purnima, President Droupadi Murmu extended her heartfelt greetings to the citizens of the country and to followers of Lord Buddha across the world. In her message, the President stated that this auspicious occasion serves as a reminder of historic events such as Lord Buddha's birth, his attainment of enlightenment, and his Mahaparinirvana. She added that Lord Buddha's messages of compassion, non-violence, peace, and wisdom will continue to guide humanity forever. The President remarked that in today's times, when the world is facing numerous challenges, Lord Buddha's teachings inspire us to walk the path of peace, tolerance, and mutual harmony. On this occasion, she called upon everyone to resolve to embrace the ideals of Lord Buddha and to contribute towards building a peaceful, inclusive, and just society.

Relief for Karisma Kapoor's Children: High Court Stays Sale of Sanjay Kapoor's Assets

New Delhi. The Delhi High Court has granted significant relief to the children of actress Karisma Kapoor. The High Court has stayed the sale of the late industrialist Sanjay Kapoor's assets—estimated to be worth 30,000 crore—to any third party. Consequently, Priya Kapoor will no longer be able to sell Sanjay Kapoor's assets. A bench led by Justice Jyoti Singh observed that Priya Kapoor must address and dispel the suspicions raised by Karisma Kapoor's children. The High Court has also ordered the freezing of Sanjay Kapoor's accounts. The Court stated that if the will is proven to be forged, it would amount to a grave injustice against Samaira and Kiaan. During the hearing, Karisma Kapoor's children alleged that the purported will of Sanjay Kapoor was fraudulent. Mahesh

Jethmalani, the counsel appearing on behalf of Karisma Kapoor's children, had sought an injunction against the sale of Sanjay Kapoor's assets to any third party. He argued that Sanjay Kapoor was a successful businessman and that an educated individual of his stature could not possibly have drafted such a will. The petition alleges that Sanjay Kapoor's third wife, Priya Kapoor, tampered with his will. It further asserts that Priya Kapoor seeks to gain complete control over Sanjay Kapoor's entire estate by manipulating his will. This, the petition contends, is the reason why Karisma Kapoor's children have been granted no rights or share in Sanjay Kapoor's will. Sanjay Kapoor's will is purportedly dated March 21, 2025. According to this will, Sanjay Kapoor's entire estate is to devolve upon Priya Kapoor. The petition filed in the High Court alleges that Priya Kapoor kept this will concealed for seven weeks following Sanjay Kapoor's demise. The contents of the will were revealed on July 30, during a family meeting. In the petition, Karisma Kapoor's children have requested to be declared Class I heirs of Sanjay Kapoor and to be granted the right to a one-fifth share of his estate. The petition also includes an interim prayer seeking to freeze Sanjay Kapoor's personal assets until the petition is finally disposed of.

Verdict Reserved on Javed Siddiqui's Bail Plea in Red Fort Blast Case

New Delhi. The Saket Court in Delhi has reserved its verdict while hearing the bail plea of Javed Ahmed Siddiqui, the founder of Al-Falah University, in a case related to the Red Fort blast. Additional Sessions Judge Sheetal Chaudhary Pradhan ordered the verdict on the bail plea to be reserved after hearing arguments from both sides. The court had issued a notice to the Enforcement Directorate (ED) on April 6. The ED filed its response on April 11. Javed Ahmed Siddiqui was arrested by the ED on November 18, 2025. The Faridabad-based Al-Falah University had been on the radar of investigative agencies ever since the Red Fort blast. Three doctors arrested in connection with the case were found to have links with Al-Falah University, following which an investigation was initiated against the institution. The ED arrested Javed on charges of terror funding and money laundering. The ED filed a chargesheet against Javed Ahmed Siddiqui and the Al-Falah Charitable Trust on January 16. The ED launched its investigation after two FIRs were registered by the Crime Branch of the Delhi Police. The FIRs allege that Al-Falah University provided false information claiming it had received accreditation from the National Assessment and Accreditation Council (NAAC). The ED has stated that it has provisionally attached the assets of Al-Falah University under the Prevention of Money Laundering Act. A blast occurred in an i10 car near the Red Fort on November 10. The car was registered in the name of Amir Rashid Ali. The blast resulted in the deaths of 13 people and left 32 others injured. The UGC had lodged a complaint against Al-Falah University, following which the Crime Branch arrested Javed Ahmed Siddiqui. Acting on the complaints filed by the UGC, the Crime Branch of the Delhi Police registered two FIRs against Javed Ahmed Siddiqui and subsequently arrested him.

Amit Shah to Inaugurate Dairy and Cooperative Initiatives in Ladakh on Friday

New Delhi. Union Minister of Home Affairs and Cooperation, Amit Shah, will inaugurate and lay the foundation stones for several key projects related to the dairy and cooperative sectors during an event to be held on Friday at the Central Institute of Buddhist Studies (CIBS) in Leh, Ladakh. Union Minister of Fisheries, Animal Husbandry, and Dairying, Rajiv Ranjan Singh (alias Lalan Singh), and the Lieutenant Governor of Ladakh, Vinai Kumar Saxena, will be present on this occasion. According to the Ministry of Cooperation, several significant initiatives aimed at strengthening dairy infrastructure in Ladakh will be undertaken during the event. The foundation stone for a dairy plant with a daily processing capacity of 10 tons will be laid in Kargil, while curd and *paneer* (cottage cheese) production units will be inaugurated in Leh. Additionally, a Bulk Milk Cooler System will be introduced to improve the storage and transportation of milk. To promote digital empowerment within the cooperative sector, an Android-based Automated Milk Collection System (AMCS) app will also be launched; this initiative aims to enhance transparency in the milk procurement process and facilitate easier payments for farmers. Furthermore, a mobile milk testing laboratory will be flagged off to ensure the quality of milk. Memorandums of Understanding (MoUs) will also be signed between various stakeholders to boost the marketing and distribution of dairy products, thereby providing local producers with better market access. During the event, progressive dairy farmers from the region will also be felicitated. This initiative is regarded as a significant step towards advancing the vision of 'Sahakar Se Samriddhi' (Prosperity through Cooperation) and empowering the rural economy in remote regions.

Delhi Government Accelerates 'TB Mukt Bharat Abhiyan 2.0'

New Delhi. The Delhi Government has further intensified its efforts under the 'TB Mukt Bharat Abhiyan (TBMBHA) 2.0'. This campaign aligns with the 'National TB Elimination Programme' (NTEP) and the 'Sustainable Development Goals', aiming to completely eradicate TB by the year 2030. Since the national-level launch of TBMBHA-2.0 on March 24, 2026, special efforts focused on early detection, comprehensive screening, and holistic care for TB patients have been expanded across the entirety of Delhi. Under this initiative, the Chest Clinic at Rao Tula Ram Memorial Hospital (South-West District) organized an 'Ayushman Arogya Camp' at the Ayushman Arogya Mandir in Vikas Nagar, Delhi. Delhi's Health Minister, Dr. Pankaj Kumar Singh, attended the event and inaugurated

a dedicated TB screening and treatment center. This new facility will ensure accessible and high-quality treatment for TB patients while providing free screening and treatment services through NAAT testing. Interacting with individuals who had come for chest X-ray screenings, Health Minister Dr. Pankaj Kumar Singh placed special emphasis on the importance of early TB detection—including identification at the sub-clinical stage—to improve treatment outcomes and prevent the further spread of the infection. The Health Minister stated that the national capital, Delhi, is committed to an active and community-based approach toward TB elimination. Early screening, timely diagnosis, and comprehensive treatment constitute the key pillars of the strategy to make Delhi TB-free, thereby enabling us to achieve the goal of a TB-free capital city expeditiously. The camp in Vikas Nagar witnessed an overwhelming response from the public, with 102 individuals undergoing chest X-rays. Additionally, random blood sugar and hemoglobin levels were checked for 125 people, while blood pressure was monitored for 156 individuals. To raise awareness within the community regarding the early detection and treatment of Tuberculosis (TB), various activities were undertaken—such as street plays, the distribution of IEC (Information, Education, and Communication) pamphlets, and local-level public announcements—with the aim of sensitizing people toward the prompt identification and treatment of TB. Under the TB-MBA 2.0 initiative, Delhi's TB elimination efforts witnessed remarkable progress during the period spanning from March 24 to April 30, 2026. During this period, 850 'Ayushman Arogya Shivirs' (health camps) were organized across the city; of these, 198 camps were set up in high-risk areas, resulting in the screening of a total of over 65,264 individuals. Among those screened, chest X-rays were conducted for 46,950 individuals, and 21,683 NAAT tests were performed, leading to the identification and registration of 9,432 TB patients. Beyond screening and treatment, the program also placed a special emphasis on providing support to patients and on disease prevention. A total of 7,117 household contacts were provided with preventive treatment against TB, while 3,461 patients received 'food baskets' as nutritional support under the 'Nikshay Mitra' initiative. This initiative significantly strengthened community engagement and also led to the registration of 42 'Nikshay Mitras.' Furthermore, the active participation of 127 public representatives—including MLAs, MPs, and Councilors—was also observed.